RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः285, रविवार, 26 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

छठ पर नहीं होगी बिजली की किल्लत, मोतिहारी विद्युत विभाग तैयार, कंट्रोल रूम स्थापित 03

छठपर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का अद्भुत संगम,नहाय-खाय से शुरुआत 04

कभी माचिस की डिब्बी जैसे घर में गुजारा समय, मलाइका अरोड़ा आज बना चुकी... 07

एलआईसी ने 33,000 करोड़ रुपए अडानी ग्रुप को दिए

कांग्रेस का बड़ा आरोप,जेपीसी-पीएसी जांच की कर डाली मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शनिवार को एलआईसी को लेकर आरोप लगाया है कि इसने 30 करोड़ पॉलिसी धारकों के पैसों का इस्तेमाल अडानी ग्रुप को फायदा पहुंचाने के लिए किया। अडानी ग्रुप को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ अपने आरोपों

को नए सिरे से धार देते हुए कांग्रेस ने दावा किया है कि एलआईसी ने पॉलिसी धारकों का करीब 33,000 करोड़ रुपया अडानी ग्रुप में निवेश करके उसे फायदा पहुंचाया। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने इसे महाघोटाला बताते हुए इसकी जांच संयुक्त संसदीय समिति से करवाने की मांग की है और उससे पहले इसे लोक लेखा समिति से जांच करवाने को कहा है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा है,मीडिया में हाल में कुछ परेशान करने वाले खुलासे हुए हैं कि मोदानी जॉइंट वेंचर ने कैसे व्यवस्थित तरीके से भारतीय जीवन बीमा निगम की बचत का दुरुपयोग किया।

तालिबान के आगे पस्त हुए पाकिस्तान के तेवर

तुर्की से की मध्यस्थता की गुहार, अफगानों से मांग रहा भीख!

इस्लामाबाद/काबुल (एजेंसी)। पाकिस्तान एक बार फिर से तालिबान के आगे गिड़गिड़ाता नजर आ रहा है। पाकिस्तान ने तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में शुरू हो रही अफगानिस्तान के साथ नई शांति वार्ता से पहले तालिबान से शांति की गुहार लगाई है। पाकिस्तान उम्मीद लगा रहा है कि तालिबान के साथ होने वाली बैठक में आतंकवाद रोकने के लिए कोई ठोस और निगरानी तंत्र का निर्माण हो सकेगा। यह वार्ता 18-19 अक्टूबर को दोहा में हुई पहली बैठक

के बाद दूसरा चरण है, जहां कतर और तुर्की की मध्यस्थता में पाकिस्तान-अफगानिस्तान ने स्थायी युद्धविराम पर सहमति जताई थी। हालांकि, एक्सपर्ट्स को उम्मीद नहीं है कि तालिबान और पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने की ज्यादा संभावना है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने अपनी पहली मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि पाकिस्तान एक ठोस और सत्यापन योग्य निगरानी तंत्र की स्थापना की आशा करता है।

डॉक्टर आत्महत्या केस में बड़ा ऐक्शन

मकान मालिक का बेटा गिरफ्तार,आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

सतारा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सातारा में फलटण के होटल में सुसाइड करने वाली डॉक्टर का सुसाइड केस में पुलिस ने पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने डॉक्टर के मकान मालिक के बेटे प्रशांत को हिरासत में लिया है। प्रशांत बांकर पर रेप और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज है। डॉक्टर ने 23

अक्टूबर को सुसाइड किया था। उसने अपने हाथ पर लिखे नोट में सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बांकर पर मेंटली हेरैस करने का आरोप लगाया है। हथेली पर सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने का नाम भी लिखा था। आरोप है कि बदने ने पिछले 5 महीने में 4 बार डॉक्टर का रेप किया। बदने भी आरोपियों के फर्जी फिटनेस सर्टिफिकेट बनाने का दबाव बना रहा था। गोपाल बदने भी रेप और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है।

मारवाड़ी नस्ल की 'नगीना' ने रौब से किया मोहित

● अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले में घोड़ी नगीना ने लूटी महफिल ● करोड़ तक पहुंच गई है बोली, पशुप्रेमियों की टिकी नजरें

पुष्कर (एजेंसी)। पुष्कर के रेतीले धोरों पर इन दिनों देश-विदेश से आए पशुप्रेमियों की नजरें एक ही दिशा में ठहर जाती हैं जहां खड़ी है मारवाड़ी नस्ल की चमचमाती घोड़ी नगीना अंतरराष्ट्रीय पुष्कर पशु मेले में इस घोड़ी ने अपने शाही ठाठ, चाल और रौब से हर किसी को मोहित कर लिया है। मात्र 31 महीने की उम्र में ही नगीना शो ग्राउंड्स की स्टार बन चुकी है। अब तक पांच अलग-अलग हॉर्स शो में यह 'विनर' रह चुकी है, जहां लाखों घोड़ों में से उसने शीर्ष स्थान हासिल किया। मेले में आते-जाते लोग उसके खुरों की थाप और ऊंची गर्दन के साथ चलते आत्मविश्वास को देखकर रुक जाते हैं। नगीना की कद-काठी देखने लायक है 65 इंच ऊंची, सुडौल शरीर और तेज चाल मानो रेत पर हवा के साथ दौड़ रही हो। यही वजह है कि अब तक इस घोड़ी की कीमत एक करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। कई व्यापारियों ने इसे खरीदने की पेशकश की, पर नगीना के मालिक गोरा भाई के लिए यह सिर्फ एक घोड़ी नहीं, बल्कि घर की शान और परिवार का सदस्य है। गोरा भाई गुजरात के रहने वाले हैं और वर्ष 2010 से पुष्कर पशु मेले का हिस्सा बनते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि हर साल वे अपनी बेहतरीन नस्ल के घोड़े लेकर आते हैं, लेकिन नगीना जैसी घोड़ी तो वर्षों में एक बार जन्म लेती है। इस बार वे 25 घोड़े लेकर मेले में पहुंचे हैं, मगर सबसे ज़्यादा चर्चा नगीना की ही हो रही है। उन्होंने कहा, नगीना के लिए अब तक 55 लाख रुपये की बोली लग चुकी है, लेकिन इसे बेचना हमारे बस की बात नहीं। इसे

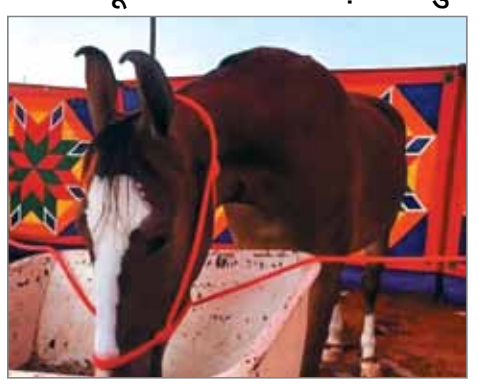

तैयार करने में सालों की मेहनत, लगन और प्यार लगा है। नगीना की शाही परवरिश भी किसी राजकुमारी से कम नहीं। दिन में तीन बार उसे दाना दिया जाता है, राइडिंग की जाती है और उसकी देखरेख के लिए एक अलग टीम तैनात रहती है।

गोरा भाई बताते हैं कि बचपन से ही नगीना को शो राइडिंग और प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया गया था। उसके खान-पान से लेकर ट्रेनिंग तक सब कुछ वैज्ञानिक तरीके से होता है। यही कारण है कि नगीना न केवल शारीरिक रूप से मजबूत है, बल्कि बेहद अनुशासित और समझदार भी है। नगीना के पिता दिलबाग खुद ऑल इंडिया फेमस शो विनर रह चुके हैं।

सुपरकंप्यूटर की जगह एआई मॉडल से मानसून की ली डिटेल

● 30 दिन पहले ही सरकार ने किसानों को बारिश का अलर्ट भेजा,38 लाख को फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने इस साल पहली बार पारंपरिक सुपरकम्प्यूटर मॉडल की जगह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) आधारित मौसम मॉडल का इस्तेमाल किया। इन मॉडल्स के जरिए 38 लाख किसानों को मानसून से जुड़ी जानकारी दी गई।

एआई मॉडल्स ने न सिर्फ 30 दिन पहले मानसूनी बारिश के आगमन का सही समय बताया, बल्कि बीच में 20 दिन बारिश रुकने की चेतावनी भी दी, जो पारंपरिक मॉडल नहीं पकड़ सके। किसानों ने बताया कि इन पूर्वानुमानों के आधार पर उन्होंने बुवाई और फसल चयन के फैसले लिए। देश में मानसून केरल के रास्ते 2 जून को आता है, लेकिन इस बार 8 दिन पहले 24 मई को ही आ गया था। 11 अक्टूबर को मानसून की वापसी हुई। इस मानसूनी सीजन (जून-सितंबर) 937.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य बारिश 870 मिमी से 8 फीसदी ज्यादा रही। एआई मॉडल्स पुराने मौसम डेटा के पैटर्न पहचानकर अनुमान लगाते हैं। इससे वे कम संसाधनों और समय में सटीक भविष्यवाणी कर पाते हैं। इस बार भारत में दो प्रमुख मॉडल्स का संयुक्त रूप से उपयोग हुआ। पारंपरिक नेचुरल वेदर प्रोसेसिंग और एआई का संतुलन बनाकर बेहतर परिणाम मिले। इस परियोजना का संचालन ह्यूमन-सेंटर्ड वेदर फोरकास्ट्स इनिशिएटिव ने किया। इसे गेट्स फाउंडेशन और संयुक्त अरब अमीरात से फंडिंग मिली। विभाग इसे अफ्रीका, बांग्लादेश, चिली, इथियोपिया और केन्या जैसे देशों में भी लागू कर रहा है। इसकी खूबी ये है कि इन्हें सुपरकम्प्यूटर की जरूरत नहीं होती। ये साधारण लैपटॉप पर भी चल सकते हैं। इससे गरीब देशों को भी सटीक और समय पर मौसम जानकारी मिल सकती है। एआई मॉडल पारंपरिक मॉडल्स से कैसे अलग है। पारंपरिक मॉडल तापमान, दबाव और हवा की गति जैसे डेटा का गणितीय आंकलन करते हैं। इसमें सुपरकंप्यूटर की जरूरत होती है। वहीं, एआई मॉडल पुराने मौसम डेटा के पैटर्न पहचानते हैं और अनुमान लगाते हैं कि पहले ऐसे हालात में क्या हुआ था। इससे वे कम संसाधनों और समय में सटीक अनुमान लगाते हैं। एआई आधारित मौसम मॉडल्स कैसे विकसित हुए। 2022 में अमेरिकी कंपनी एनवीडिया ने नामक एआई मौसम मॉडल लॉन्च किया। यह दशकों के मौसम डेटा पर प्रशिक्षित था और महज दो सेकंड के अंदर तूफान व बारिश की हफ्तेभर पहले तक की सटीक भविष्यवाणी कर सकता था।

अलीगढ़ में 5 मंदिरों पर लिखा आई लव मोहम्मद

● यूपी में भारी तनाव, ऐक्शन पर अड़ी करणी सेना

अलीगढ़ (एजेंसी)। यूपी में आई लव मोहम्मद को लेकर पनपी चिंगारी शनिवार को फिर से अलीगढ़ में सुलग उठी। यहां लोधा क्षेत्र के दो गांवों में पांच मंदिरों में किसी ने आई लव मोहम्मद लिख दिया। इसके विरोध में करणी सेना और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। जैसे तैसे पुलिस ने इनको समझाकर शांत किया। इसके बाद लिखे गए शब्दों को मिटवाया गया। फिलहाल लोग थाने में जुटे हुए हैं। मामले में कुछ लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी जा रही है। लोधा क्षेत्र के गांव बुलाकगढ़ी में दो, जबकि गांव भगवानपुर में दो मंदिरों में अराजतत्वों द्वारा आई लव मोहम्मद लिखा गया था। शनिवार सुबह ग्रामीणों की इस पर नजर पड़ी तो आक्रोश पनप गया। गांव के ही करणी सेना के एक कार्यकर्ता सचिन मौके पर पहुंचे। उन्होंने अन्य पदाधिकारियों को सूचना दी।

रूसी तेल के बिना भी मोर्चा संभालने को तैयार भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उसने रूसी तेल निर्यातक कंपनियों रोजनेफ्ट और लुकोइल पर लगाए गए नए प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए अपने रिफाइनरी संचालन को बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल इन प्रतिबंधों का असर भारत में ईंधन उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा, क्योंकि सरकारी तेल कंपनियां जैसे- इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम बढ़ी हुई लागत को कुछ समय तक अपने स्तर पर ही हैंडल कर सकती हैं। सूत्रों के हवाले से लिखा है कि देश की तेल कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के असर को अच्छे से अध्ययन कर रही हैं।

पश्चिमी सीमा पर 'त्रिशूल' अभ्यास करेगी सेना

● घबराए पाकिस्तान ने हवाई क्षेत्र पर बढ़ा दिए प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी पश्चिमी सीमा पर बहुत बड़ा त्रि-सेवा अभ्यास 'त्रिशूल' आयोजित करने जा रहा है। इससे घबराए पाकिस्तान ने अपनी हवाई सीमा पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगा दिए हैं।

पाक मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अभ्यास 'त्रिशूल' की तैयारी के बीच पड़ोसी देश ने अचानक अपने मध्य और दक्षिणी हवाई क्षेत्र में कई हवाई मार्गों को प्रतिबंधित कर दिया है। पाकिस्तान की ओर से जारी यह आदेश 28 और 29 अक्टूबर के लिए लागू रहेगा। हालांकि इस्लामाबाद ने प्रतिबंध के पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम किसी सैन्य अभ्यास या

हथियार परीक्षण से जुड़ा हो सकता है। भारत ने कुछ दिन पहले ही एक व्यापक त्रि-सेवा (थलसेना, नौसेना और वायुसेना) अभ्यास 'त्रिशूल' की घोषणा की थी, जो 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक सर क्रीक क्षेत्र में आयोजित होगा। यह इलाका भारत-पाकिस्तान सीमा के पश्चिमी तट पर स्थित है और रणनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। सूत्रों के मुताबिक, यह अभ्यास समुद्री सुरक्षा, थल एवं वायु अभियानों के संयुक्त संचालन, और दुश्मन की संभावित गतिविधियों के समन्वित जवाब पर केंद्रित होगा।

● **विशेषज्ञों की राय-क्षेत्रीय तनाव में इजाफा-** रक्षा मामलों के जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान का अचानक हवाई मार्गों पर रोक लगाना एक संदेशात्मक कदम हो सकता है। भारत के बड़े पैमाने पर संयुक्त अभ्यास के जवाब में यह कदम दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने का संकेत भी माना जा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे प्रतिबंध सामान्यत: तब लगाए जाते हैं जब कोई देश मिसाइल परीक्षण या उच्च-स्तरीय सैन्य अभ्यास की तैयारी कर रहा होता है। भारत और पाकिस्तान, दोनों के नोटिस जारी करने से यह स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में सीमा क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां तेज रहने वाली हैं।

बिहार के बाद अब तमिलनाडु की आई बारी

एक सप्ताह में शुरू होगी एसआईआर वाली प्रक्रिया

लागू होंगे बिहार वाले नियम, डीएमके का विरोध

चेन्नई (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को मद्रास हाईकोर्ट को बताया कि तमिलनाडु में मतदाता सूची का स्पेशल इंटेंसिव रिविजन एक सप्ताह के भीतर शुरू किया जाएगा। यह प्रक्रिया 2026 विधानसभा चुनावों से पहले पूरे देश में मतदाता सूची को अपडेट करने के राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है। मुख्य न्यायाधीश मनीन्द्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी अरुलमुरुगन की पीठ के समक्ष पेश हुए निर्वाचन आयोग के स्थायी अधिवक्ता निरंजन राजगोपालन ने कहा कि यह पुनरीक्षण प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट द्वारा बिहार के समान मामले में जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप की जाएगी। राजगोपालन ने अदालत को बताया कि आयोग ने पहले ही देशभर के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ परामर्श कर लिया है, ताकि सभी राज्यों में एक समान प्रक्रिया अपनाई जा सके। यह जानकारी उस जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दी गई, जिसे पूर्व एआईएडीएमके विधायक बी. सत्यनारायणन ने दायर किया था। सत्यनारायणन 2016 से 2021 तक टी नगर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि 2021 के

विधानसभा चुनावों से पहले उनके क्षेत्र की मतदाता सूची में बड़ी संख्या में गड़बड़ियां हुईं, जिनमें हजारों नामों का गलत तरीके से डिलीट किया गया था- जिनमें अधिकतर एआईएडीएमके समर्थक थे। उन्होंने अदालत को बताया कि 2021 में वे डीएमके प्रत्याशी जे. करुणानिधि से केवल 137 वोटों के अंतर से हार गए थे। उन्होंने कहा, इतने कम अंतर से हार और हजारों गलत डिलीशन एवं गलत नाम शामिल किए जाने से यह स्पष्ट है कि मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताएं थीं, जिसने चुनाव परिणाम को प्रभावित किया। रिपोर्ट के मुताबिक, सत्यनारायणन ने दलील दी कि पिछले 25 वर्षों में क्षेत्र की जनसंख्या में भारी वृद्धि के बावजूद मतदाताओं की संख्या में बहुत मामूली वृद्धि हुई है- 1996 में 2,08,349 से बढ़कर 2021 में केवल 2,45,005 हो गए। उन्होंने इसे स्थिर वृद्धि बताते हुए कानूनी और संवैधानिक चिंता का विषय कहा। याचिका में अदालत से मांग की गई है कि टी नगर क्षेत्र के सभी 229 मतदान केंद्रों की पूर्ण पुनः जांच बूथ स्तर अधिकारियों के माध्यम से कराई जाए। सत्यनारायणन का आरोप है कि एजेंसी ने मैदान में वास्तविक सर्वेक्षण किए बिना मतदाता सूची तैयार की, जिससे डुप्लीकेट प्रविष्टियां, गैर-निवासियों और मृत व्यक्तियों के नाम शामिल हो गए, और साथ ही कई वैध मतदाताओं के नाम हटाए गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं 229 में से 100 बूथों के आंकड़े जांचे और भारी विसंगतियां पाईं। हालांकि, उन्होंने विस्तृत रिपोर्टें चुनाव अधिकारियों को सौंपीं, लेकिन कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, जो उनके अनुसार कर्तव्य में गंभीर लापरवाही और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता को कमजोर करने वाली थी। याचिका में एक तमिल दैनिक की रिपोर्ट का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें दावा किया गया था कि 13,000 से अधिक एआईएडीएमके समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। सत्यनारायणन ने कहा कि यह लापरवाही जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और संविधान के अनुच्छेद 326 में निहित मताधिकार का उल्लंघन है। उन्होंने कहा,ऐसी विसंगतियों को जारी रहने देना चुनावों की निष्पक्षता को खतरे में डालता है।

संक्षिप्त समाचार

मुन्ना शुक्ला के समर्थन में लगे नारे, पत्नी रो पड़ीं, राजद उम्मीदवार शिवानी शुक्ला की मां ने मांगा समर्थन

हाजीपुर। वैशाली मे राजद उम्मीदवार शिवानी शुक्ला के चुनाव प्रचार के दौरान गुरुवार को भावुक हो गई, दरअसल उनकी मां पूर्व विधायक अन्नू शुक्ला कार्यकर्ताओं के बीच अचानक रो पड़ीं। इस घटना से कुछ देर के लिए पूरा माहौल गमगीन हो गया। दरअल अन्नू शुक्ला एक चुनावी कार्यालय का उद्घाटन करने भगवानपुर अड्डा चौक पर पहुंची थीं। जैसे ही वहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनके पति बाहुबली नेता मुन्ना शुक्ला, जो वर्तमान में जेल में हैं, उनके समर्थन में कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारे लगाए, अन्नू शुक्ला अपने आपे को नहीं रोक सकीं और भावुक होकर फूट-फूट कर रोने लगीं। कार्यकर्ताओं ने 'जेल का ताला टूटेगा, मुन्ना भैया छूटेगा' जैसे नारों से उनका हौसला बढ़ाने की कोशिश की, जिसके बाद वह कुछ शांत हुईं। इस दौरान मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने उन्हें सांत्वना दी और हौसला बढ़ाया । भावनाओं पर काबू पाने के बाद अन्नू शुक्ला ने कार्यकर्ताओं से अपनी बेटी शिवानी शुक्ला को पूरे जोर-शोर से समर्थन देने की अपील की। गौरतलब है कि चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं और उनके परिवारों के भावनात्मक पल अक्सर कैमरे में कैद होते हैं, जो इलाके में चर्चा का विषय बन जाते हैं। लालगंज में आज का यह प्रसंग भी क्षेत्र में गहरी सियासी और भावनात्मक उथल-पुथल को दर्शाता है।

बूढ़ी गंडक, बागमती किनारे उमड़ी भीड़, नहाय खाय के साथ 4 दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत

मुजफ्फरपुर। नहाय खाय के साथ 4 दिवसीय छठ महापर्व की आज से शुरुआत हो गई है। मुजफ्फरपुर में स्नान के लिए बूढ़ी गंडक, बागमती और मन नदी किनारे श्रद्धालुओं की उमड़ भीड़ उमड़ पड़ी है। सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। छठ व्रतियों ने पहले गंगा स्नान किया। फिर गंगा मइया की पूजा अर्चना कर एक-दूसरे को सिंदूर लगाया। पहले दिन व्रती महिलाएं सबसे पहले सुबह गंगा स्नान करती हैं। पूजा करने के बाद घर में चने की दाल, कद्दू और चावल का प्रसाद बनाती हैं। सबसे पहले व्रत रखने व्रती को खाना परोसा जाता है। इसके बाद ही परिवार के अन्य लोग भोजन ग्रहण करते हैं। इस प्रसाद को खाने के बाद ही छठ व्रत की शुरुआत हो जाती है। भगवानपुर निवासी दिव्या ने बताया कि पांच साल से छठ पूजा कर रही हूं। मेरी बेटी की तबीयत खराब था। इसको लेकर छठ पूजा की शुरुआत की थी। आज गंगा स्नान के बाद प्रसाद ग्रहण करूंगी। रविवार को खरना का पूजा करेंगे, उसके बाद निर्जला व्रत शुरू होगा। माधवी राज ने कहा कि छठी मइया हमको सब कुछ दी है। करीब सात सालों से छठ पूजा कर रही हूं। पति के नौकरी के बाद छठ पूजा की शुरुआत की थी। शहर के बैरिया एकता निवासी संजना तिवारी सुबह से नहाय खाय की तैयारी में जुटी है। उन्होंने बताया कि पहली बार छठ पूजा कर रहे हैं। मेरी सासु मां बिमला देवी कई वर्षों से छठ पूजा करती आ रही हैं, लेकिन इस बार उनकी तबीयत खराब है। आज नहाय खाय है। कद्दू की सब्जी, अरवा चावल , चना दाल और पकौड़ा बनाता है। नहाय खाए के बाद कल खरना की तैयारी करूंगी। उसके बाद निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। पहली बार छठ कर रही हूं। बहुत अच्छा लग रहा है। छठी मइया पर भरोसा है। घर के बड़े-बुजुर्ग सपोर्ट कर रहे हैं।

छठ के बाद 30 अक्तूबर को मुजफ्फरपुर आएंगे पीएम मोदी, मोतीपुर चीनी मिल मैदान में करेंगे चुनावी सभा

मुजफ्फरपुर। छठ पूजा के बाद 30 अक्टूबर को पीएम मोदी मुजफ्फरपुर के मोतीपुर स्थित चीनी मिल मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष हरि मोहन चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह दौरा छठ पूजा के ठीक बाद होगा। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री 30 अक्टूबर को बिहार आ रहे हैं। सबसे पहले वे मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद छपरा में भी उनकी सभा होगी। नवंबर माह में प्रधानमंत्री के कई और कार्यक्रम निर्धारित हैं।' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने भी इसकी पुष्टि की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा, 'प्रधानमंत्री 30 अक्टूबर को ठीक छठ पूजा के बाद फिर बिहार आ रहे हैं। सबसे पहले मोतीपुर, मुजफ्फरपुर में उनका कार्यक्रम होगा। मुजफ्फरपुर के बाद फिर छपरा में उनका कार्यक्रम होगा और दो जगह कार्यक्रम के बाद फिर उनका कार्यक्रम लगातार नवंबर माह में होगा। अभी मुजफ्फरपुर और छपरा में 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री बिहार आ रहे हैं।' प्रधानमंत्री मोदी के संभावित कार्यक्रम को लेकर मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। शनिवार को एसएसपी सुशील कुमार, सिटी एसपी कोटा किरण कुमार समेत कई सीनियर पुलिस अधिकारी मोतीपुर के महमदपुर बलमी स्थित चीनी मील मैदान पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश द्वार, बैरिकेडिंग, दर्शक दीर्घा, और मंच निर्माण से जुड़े संभावित बिंदुओं की समीक्षा की। मैदान की स्थिति का आकलन करते हुए अधिकारियों ने पाया कि चारों ओर घनी झाड़ियां उगी हुई हैं, जिन्हें काटने और साफ-सफाई के निर्देश दिए गए। एसएसपी सुशील कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए पुलिस विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था का पूर्व-आकलन शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल के आसपास की इमारतों, छतों और ऊंचे स्थानों की जांच की जा रही है ताकि किसी भी सुरक्षा जोखिम को टाला जा सके। पुलिस टीम ने बताया कि कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि के बाद सुरक्षा बलों की तैनाती का विस्तृत प्लान लागू किया जाएगा।

पटना में घर-घर पहुंचेगा छठ के लिए गंगाजल, छोटे तालाबों-कृत्रिम जलाशयों में भी डाला जाएगा गंगाजल

पटना। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर पटना नगर निगम की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक विशेष पहल की गई है। व्रतियों को गंगाजल लाने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए निगम की ओर से घर-घर गंगाजल पहुंचाने की व्यवस्था शुरू की गई है। इसके लिए आज से करीब 12 टैंकर पटना निगम क्षेत्र के 6 अंचलों में घूमेंगे। ये टैंकर गंगा नदी से शुद्ध जल लेकर सभी वार्डों के गली-मोहल्लों तक पहुंचाएंगे। हर अंचल के लिए दो-दो टैंकर हैं। निगमकर्मियों की देखरेख गंगाजल वितरण का कार्य किया जाएगा। नगर निगम की ओर से यह भी व्यवस्था की गई है कि जिन छोटे तालाबों या कृत्रिम जलाशयों में श्रद्धालु अर्घ्य देंगे, उनमें भी गंगाजल डाला जाएगा, जिससे छठ महापर्व की पवित्रता और आस्था बनी रहे। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने बताया कि छठ महापर्व लोक आस्था का प्रतीक है। श्रद्धालुओं को गंगाजल के लिए कठिनाई न झेलनी पड़े, यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। यह पहल श्रद्धा, स्वच्छता और सुविधा का अद्भुत संगम है। वहीं, दूसरी ओर निगम की ओर से गंगा घाट पर 'स्वच्छता कलश' स्थापित किया गया है, जिसमें श्रद्धालु पूजा के बाद निकलने वाले फूल, माला, दीप या अन्य विसर्जन सामग्री डाल सकेंगे। गंगा नदी के किनारे स्वच्छता के लिए यह कदम उठाया गया है। हर दिन इन स्वच्छता कलश को नगर निगम की टीम की ओर खाली कर साफ किया जाएगा, ताकि गंगा में किसी प्रकार का प्रदूषण न हो। अभी इस स्वच्छता कलश को पांच घाट- कलेक्ट्रेट घाट, गांधी घाट, कंगन घाट, भद्र घाट और 93 घाट पर रखा गया है।

नहाय खाय पर बिहार में 7 लोगों की मौत

● पटना में 3, जमुई में 2, वैशाली-बांका में 1-1 की गई जान, सभी के घर छठ पूजा

एजेंसी, पटना

बिहार के 4 शहरों में नहाय खाय पर 7 लोगों की मौत हो गई। पटना में गंगाजल लेने गए 3 लड़के नदी में डूब गए। वैशाली में भी एक की मौत हुई है। जमुई में भी प्रसाद के लिए जल लेने गए 2 युवक गंगा में समा गए। बांका में भी 4 लोग नदी में डूब गए। एक की मौत हुई है। बाकी को लोगों ने रेस्क्यू किया है। पटना में नहाय खाय (25 अक्टूबर) के दिन एक परिवार के 3 लड़कों की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। इनमें 2 रिश्ते में भाई हैं। एक भतीजा है। तीनों के घर पर छठ पूजा हो रही थी। सभी पूजा के लिए गंगाजल लेने नदी के किनारे गए थे। पैर फिसलने से एक डूबने लगा। उसे बचाने के चक्कर में 2 और गंगा में डूब गए। बताया जा रहा है कि छठ पूजा को लेकर तीनों युवक गंगा घाट की साफ-सफाई कर रहे थे। साफ-सफाई के बाद तीनों नदी में नहाने गए। इस दौरान वो गहरे पानी में चले गए। पानी की तेज धारा की वजह से वो संभाल नहीं पाए और डूब गए। हादसा खुसरूपुर थाना क्षेत्र के बैंकटपुर गोलिंदपुर घाट पर हुआ।

तीनों युवक के घर में छठ पूजाः हादसे की सूचना मिलने के बाद DDRF और स्थानीय गोताखोर की टीम मौके पर पहुंची। फिर तीनों युवक की तलाश शुरू की गई। काफी मशक्कत के बाद तीनों की लाशों को पानी से बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान पश्चिमी गोविंदपुर के वार्ड-17 निवासी सौरव कुमार (22), सोनू कुमार (22) और गुड्डू कुमार (19) के रूप में हुई है। तीनों के घर में छठ पूजा हो रही थी। हादसे के बाद तीनों के घर में मातम का माहौल है।

चश्मदीद बोला- मेरे सामने तीनों नदी में डूब गएः तीनों के साथ घाट पर मौजूद मितरंजन ने बताया, 'हम सब छठ को लेकर घाट बनाने के लिए हल्के पानी में ही उतरे थे। तभी मेरे दोस्त सोनू का पैर चिकनी मिट्टी से फिसल गया और वह गहरे पानी में डूबने लगा। हम सभी ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन जब मैं किसी तरह बाहर निकला तो देखा कि सोनू डूब चुका था। उसे देखने के लिए हमारे दो और भाई सौरव और गुड्डू गए, लेकिन वो भी उसी गहरे भंवर में समा गए। पास में लगी नाव को हम लोगों ने तुरंत बुलाया और अपने स्तर से खोजबीन शुरू की। उसके बाद इसकी सूचना खुसरूपुर थाने को दी गई।'

शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गयाः खुसरूपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि 'तीन युवक गंगा नदी में डूब गए, जिनका शव निकाल लिया गया है। शव को फतुहा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए पटना भेज दिया गया है।'

वैशाली में स्नान के दौरान तेज धारा में बहा नाबालिग

वैशाली मे छठ पूजा के 'नहाय-खाय' के दिन नदी में डूबने से नाबालिग लड़के की मौत हो गई। घटना देशरी थाना क्षेत्र के सुलतानपुर गांव की है। मृतक की पहचान स्थानीय पंचायत समिति सदस्य धर्मराज पासवान के बेटे रणवीर पासवान के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रणवीर अपने छोटे भाई के साथ स्नान के लिए गंगा नदी में उतरा। अचानक नदी का बहाव तेज होने के कारण दोनों भाई पानी में बह गए। आस-पास मौजूद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने रणवीर के भाई को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन रणवीर को बचाया नहीं जा सका और वह गहरे पानी में समा गया।

जुमई में छठ घाट की सफाई के दौरान डूबने से 2 की मौत

जमुई में छठ घाट की सफाई के दौरान नदी में डूबने से 2 लड़कों की मौत हो गई। डूब रहे तीसरे युवक को लोगों ने बचा लिया। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के कुछ युवक छठ घाट की सफाई के लिए गए थे। इसी दौना तीन युवक नहाने के लिए नदी में उतर गए। नहाते समय वह तीनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उनके साथियों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन तैरना न आने के कारण 2 युवक डूब गए। घटना बटीया थाना क्षेत्र की है।

नहाने के दौरान हादसा

मृतकों की पहचान चरकापत्थर थाना इलाके के बिजैया गांव के चिन दास (18) और सतीश कुमार के रूप में हुई है। रेस्क्यू किए गए छोटेलाल रविदास का इलाज जारी है।

बांका में एक युवक की डूबने से मौत

बांका के अमरपुर थाना इलाके की विशनपुर पंचायत की पतवैय चांदन नदी में शनिवार को छठ घाट बनाने के दौरान पैर फिसलने से 4 नाबालिग नदी में डूब गए। हादसे में मंझगांय गांव के पीयुष कुमार (16) की मौत हो गई। बिट्टू कुमार उर्फ मंटून दास, नितेश दास और विकास दास को आसपास मौजूद लोगों ने बचा लिया।

पटना में जेपी गंगा पथ पर सेल्फी प्वाइंट तैयार

एजेंसी, पटना

पटना में दीघा घाट के पास अर्घ्य देने आने वाले श्रद्धालु अब सेल्फी प्वाइंट पर रुककर सेल्फी भी ले सकते हैं। दरअसल, दीघा गोलंबर से 100 मीटर की दूरी पर जेपी गंगा पथ लिखा सेल्फी प्वाइंट तैयार कर लिया गया है। इसे रंग बिरंगी लाइट से सुसज्जित किया गया है। जेपी गंगा पथ एक पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित किया जा रहा है। फिर यहां लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 3D म्यूरल लगेगी, जिसमें उनकी जीवनी के बारे में लिखा रहेगा। इसे दिल्ली के कारीगर GRC मेटेरियल से तैयार करेंगे। यहां लैंडस्केपिंग और ब्यूटीफिकेशन का काम चल रहा है। 13500 स्क्वायर फीट में इसे डेवलप किया जाएगा। जेपी गंगा पथ पर लोगों की सैर के लिए इसे एक गार्डन के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। यहां लगभग 15 हजार सजावटी पौधे लगाए जा रहे हैं, जो लोगों को आकर्षित करेंगे। इसमें सबसे खास डेट पाम होगा, जिसे भी लगाया जा रहा है। कुल मिलाकर, करीब 17 तरह के पौधे लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अलग-अलग डेकोरेटिव लाइट जैसे कि फसाड लाइट, पोस्ट लाइट, हाईलाइटर, गार्डन लाइट लगाए जाएंगे। पूरे प्रोजेक्ट का नाम 'गंगा किनारे' रखा गया है। गंगा की महत्ता को दिखाने के लिए यहां 15 से ज्यादा आर्क गेट बनाए जाएंगे, जिसके ऊपर गंगा के अलग-अलग नाम जैसे मंदाकिनी, देव नदी, भागीरथी, सुरसरिता, जाह्नवी नाम लिखे होंगे।

♦ लोगों की सैर के लिए गार्डन का दिया जा रहा लुक, 15 हजार सजावटी पौधे लगाए जा रहे

पटना जू की झील में अर्घ्य दे सकेंगे छठ व्रती

एजेंसी, पटना

छठ महापर्व की आज से शुरुआत हो गई है। इसे लेकर गंगा घाटों को तैयार किया गया है। वहीं, श्रद्धालु पटना जू की झील में भी अर्घ्य दे सकेंगे। घाटों के अलावा पार्क और तालाब तैयार किए जा रहे हैं। इन तालाबों में अस्थाई घाट बनाए जा रहे हैं, जिससे छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा करने में आसानी हो सके। पटना जू में चेंजिंग रूम, बैरिकेडिंग, वॉच टावर नगर निगम की तरफ से तैयार किए जा रहे हैं। जिस साइड पानी का बहाव ज्यादा है और स्थिति खतरनाक होगी, वहां लाल कपड़े से घेरा जा रहा है। पटना जू के डायरेक्टर हेमंत पाटिल ने बताया कि झील के पानी को साफ करने के लिए चूना और फिटकिरी मिलाया जा रहा है। झील में सफाई के बाद गंगा जल डाला जाएगा। छठ का पहला अर्घ्य सोमवार को है। हालांकि, इस दिन पटना जू में साप्ताहिक बंदी रहती है, मगर फिर भी छठ के लिए पटना जू खुला रहेगा। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए सोमवार के दोपहर 2 बजे के बाद चिड़ियाघर में निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था है। वहीं, मंगलवार को सुबह 3 बजे के बाद जू खोल दिया जाएगा।

जानवरों की सुरक्षा पर रहेगा पूरा ध्यानः चिड़ियाघर के डायरेक्टर हेमंत पाटिल ने बताया कि चिड़ियाघर में छठ के दौरान मेन फोकस जानवरों की सुरक्षा पर है। इस बात का खास ख्याल रखा जाएगा की जानवरों को कोई परेशानी न हो। विजिटर्स इधर-उधर न करें इसका भी ध्यान रखा जाएगा। साथ ही चिड़ियाघर परिसर में पटाखें जलाने और प्लास्टिक लाने पर रोक रहेगी।

इन तालाबों में बने घाटः गर्दनीबाग स्थित कच्ची तालाब, अनीसाबाद स्थित मानिकचंद तालाब, गर्दनीबाग दस नंबर तालाब, महुआ बाग तालाब, बीएमपी-5 एवं 10, वेटनरी कैंपस, वेटनरी मुर्गा फॉर्म, शिव मंदिर गली, संजय गांधी जैविक उद्यान झील, बजरंग कॉलोनी, बेउर रामचंद्र बाबू, महादेव बिहार कॉलोनी, कल्याणी कॉलोनी तिवारी जी, पंचमंदिर रोड-10, डीवीसी जक्कनपुर, एसके पुरी एलएफ रोड, आर ब्लॉक बंगाली अखाड़ा रोड नं-3, अदालतगंज, पंचमुखी बोरिंग कैनाल रोड तालाब, रोड नंबर-21 कृष्णा नगर तालाब, रोड नंबर-22 तालाब, केशरी नगर मंदिर तालाब, राजवंशी नगर बीसीडी कैंपस, राजवंशी नगर बोर्ड कॉलोनी, कला एवं शिल्प महाविद्यालय परिसर, शेखपुरा दुर्गा आश्रम, नवरत्न कॉलोनी तालाब, अटल बिहारी वाजपेयी तालाब, कांग्रेस मैदान तालाब, मंगल तालाब व अन्य।

इन पार्कों में बने घाटः पुनाईचक पार्क, कंकड़बाग शिवाजी पार्क, रेंटल फ्लैट पार्क कंकड़बाग, राम सुंदर दास पार्क, कंकड़बाग शहीद किशोर कुणाल पार्क, हनुमान नगर, कंकड़बाग पश्चिमी के सेक्टर पार्क, कंकड़बाग जनता फ्लैट पार्क, कंकड़बाग जी-22 पार्क, कंकड़बाग डॉक्टर्स कॉलोनी जी-9 पार्क, कंकड़बाग डिफेंस कॉलोनी पार्क, बी.हाउसिंग पार्क, कंकड़बाग 100 एम.आई.जी. पार्क, भूतनाथ रोड, बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी, कंकड़बाग वीकर सेक्शन पार्क, कंकड़बाग मुन्ना पाठक पार्क, जे सेक्टर पार्क, गांधीनगर ग्रीन पार्क, खेतान मार्केट भंवर पोखर पार्क, राजेन्द्र नगर 4/5 पार्क, श्री कृष्णानगर पार्क नंबर 2, शास्त्रीनगर सीआईडी कॉलोनी पार्क व अन्य।

❑ चूना-फिटकरी से पानी को किया जा रहा साफ, साप्ताहिक बंदी के दिन श्रद्धालुओं को मिलेगी एंट्री

लालू की जमीन पर बीजेपी नेताओं का प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

बिहार की सियासत में एक बार फिर लालू प्रसाद यादव का मॉल चर्चा के केंद्र में आ गया है। आज बीजेपी नेता उस जमीन पर पहुंचे और विरोध-प्रदर्शन किया। जिसपर कभी लालू परिवार का विवादित मॉल बनने की तैयारी थी। जिसपर ईडी ने कार्रवाई करते हुए जब्त कर लिया था। आज बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक, नीरज कुमार, गुरु प्रकाश सहित बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने वहां पहुंचकर नारेबाजी की और तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। अजय आलोक ने कहा तेजस्वी यादव आज मुख्यमंत्री पद के दावेदार बन रहे हैं, लेकिन यह जमीन उनके भ्रष्टाचार की कहानी कहती है। यह मॉल सिर्फ एक इमारत नहीं बल्कि भ्रष्टाचार के सबूत है। जिस मिट्टी से इस मॉल की भराई हो रही थी वह भी बिहार सरकार की थी, जो पटना के जू से लाई गई थी। मॉल के बगल से जो रास्ता जाता है, वह सीधे बेऊर जेल की ओर जाता है। यह प्रतीक है कि भ्रष्टाचार का रास्ता कहां तक ले जाता है।

तेजस्वी यादव और पूरा लालू परिवार भ्रष्टाचार में डूबा हैः नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव और पूरा लालू परिवार भ्रष्टाचार में डूबा है। बिहार की जनता को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह मॉल किस तरह घोटाले की मिट्टी पर खड़ा किया जा रहा था। गुरु प्रकाश ने भी लालू के मॉल को लेकर सवाल खड़ा करते हुए तेजस्वी को घेरा।

क्या है लालू के मॉल का मामलाः लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर आरोप था कि रेलवे में जमीन के बदले नौकरी घोटाले के दौरान उन्हें कई जमीनें घूस के रूप में दी गईं। इन्हीं में से एक जमीन पर पटना में लारा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक विशाल मॉल बनाने की योजना थी। 2017 में जब मामला सुर्खियों में आया तो ईडी और सीबीआई ने जांच शुरू की। ईडी ने कब्जे में कर लिया और निर्माण कार्य रोक दिया गया। बाद में मॉल की मिट्टी की भराई को लेकर एक और विवाद उठा। पता चला कि भराई में पटना जू की मिट्टी का इस्तेमाल किया गया था। इस पर विपक्ष ने कहा कि यह सरकारी संसाधनों का निजी उपयोग था। उस समय यह मामला बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने गंभीरता से उठाया था। हाल ही में दिल्ली के राउंज एवेन्यू कोर्ट ने लालू , राबड़ी और तेजस्वी पर मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी।

♦ प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा- ये जमीन तेजस्वी की भ्रष्टाचार की कहानी बताती है

48 छठ घाटों पर 300 अग्निशमन कर्मियों की तैनाती

एजेंसी, पटना

छठ महापर्व को देखते हुए अग्निशमन विभाग ने पटना में व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। विभाग ने पटना के 46 प्रमुख घाटों पर 300 अग्निशमन कर्मियों को तैनात करने का निर्देश दिया है, ताकि अगलगी की किसी भी घटना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। जिला अग्निशमन अधिकारी रितेश कुमार पांडे ने बताया कि इन घाटों पर दमकल की बड़ी गाड़ियों के साथ-साथ बाइक दमकल भी तैनात की गई हैं। 28 कर्मियों को छोटे अग्निशमन यंत्रों के साथ मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं। छठ महापर्व के दौरान कंट्रोल रूम से 24 घंटे स्थिति पर नजर रखी जाएगी। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड यूनिट की टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगी। दमकल की लोकेशन पर गूगल मैपिंग के जरिए भी नजर रखी जाएगी।

आपात स्थिति में 112 पर सूचना देंः पटना शहर के प्रमुख घाटों के अलावा दानापुर, मसौढ़ी, पालीगंज, हल्दी छपरा, पटना सिटी और बाढ़ जैसे इलाकों में भी घाटों के पास अग्निशमन विभाग की टीमें तैनात रहेंगी। कई स्थानों पर बने अस्थायी शेड के पास 14 जगहों पर 28 कर्मी दो पालियों में लगातार कार्यरत रहेंगे। सभी कर्मी वॉकी-टॉकी से लैस होंगे। कर्मियों की तैनाती छठ महापर्व के पहले अर्घ्य से शुरू होकर पर्व की समाप्ति तक रहेगी। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारी नियंत्रण कक्ष से ही स्थिति का जायजा लेंगे।

धनबाद से पटना के लिए आज खुलेगी स्पेशल ट्रेन

एजेंसी, पटना

छठ में धनबाद तथा आस पास के इलाकों से हर दिन बड़ी संख्या में लोग बिहार जा रहे हैं। धनबाद से पटना तथा अन्य शहरों को जाने वाली सभी ट्रेन फुल हैं। कई में नो रूम कर स्थिति हो चुकी है। बिहार जाने वालों की सुविधा के लिए धनबाद रेल मंडल ने 25 अक्टूबर को धनबाद से पटना के लिए पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। 03303 धनबाद-पटना 25 अक्टूबर शनिवार को धनबाद से रात 8.45 में खुलेगी। वो गया होते हुए रविवार अहले सुबह 2.30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में 03304 पटना-धनबाद रविवार सुबह 4.50 में पटना से खुलकर सुबह 11 बजे धनबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन गंगा दामोदर एक्सप्रेस के रूट पर चलेगी। इधर, छठ महापर्व की महत्ता को और इससे लोगों के जुड़ाव को समझते हुए रेल ने पहली बार एक प्रयोग किया है। कई प्रमुख स्टेशनों पर छठ के गीत बजाए जा रहे हैं। इससे भीड़ नियंत्रित करने में मदद मिल रही है।

खान सर के हॉस्पिटल में ऑपरेशन थिएटर का फर्स्ट लुक, खुद पहुंचे निरीक्षण करने, डायलिसिस सेंटर तैयार

एजेंसी, पटना

पटना के मशहूर शिक्षक खान सर अपने अनोखे अंदाज और समाज सेवा के कार्यों के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं। अब वे अपने नए मिशन जनता को सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए सुर्खियों में हैं। उनका कहना है कि उनके अस्पताल में इलाज की सुविधा सरकारी अस्पतालों से भी सस्ती होगी। ब्लड बैंक, डायलिसिस सेंटर और कैंसर हॉस्पिटल जैसी आधुनिक सुविधाएं भी दी जाएंगी। खान सर के अस्पताल का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। डायलिसिस सेंटर और ऑपरेशन थिएटर पूरी तरह तैयार है। इन दोनों यूनिट्स का फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है, जिसने लोगों में खासा उत्साह है।

खान सर ने खुद किया निरीक्षणः डायलिसिस सेंटर और ऑपरेशन थिएटर बनने के बाद खान सर खुद अस्पताल पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने डायलिसिस सेंटर में मौजूद बेड, मशीनों और उपकरणों की बारीकी से जांच की। वहीं, जिन जगहों पर सुधार की जरूरत थी, वहां उन्होंने तत्काल कमियां दूर करने का निर्देश दिया। इसके बाद खान सर ऑपरेशन थिएटर पहुंचे, जहां उन्होंने मशीनों और सर्जिकल सेटअप का जायजा लिया। एक्सपर्ट डॉक्टरों से उन्होंने मशीन की कार्यप्रणाली को समझा और खुद भी मशीनों को टेस्ट किया। खास बात यह है कि यह वही ऑपरेशन थिएटर है, जिसे खान सर को पहले तोड़कर दोबारा बनवाना पड़ा था। शुरुआती दिनों में अस्पताल की फ्लोरिंग के लिए महंगे और चमकदार टाइल्स लगाए गए थे, लेकिन बाद में यह समझ में आया कि ऑपरेशन थिएटर में टाइल्स नहीं लगाए जा सकते। क्लासरूम में इस वाकये का जिक्र करते हुए खान सर ने बताया था कि 'दो टाइल्स को जोड़ने पर जो ज्वाइंट बनते हैं, उसमें बैक्टीरिया, वायरस और फंगस जमा हो जाते हैं। इनका साइज इतना छोटा होता है कि एक सरसों के दाने में हजारों बैक्टीरिया समा सकते हैं।' इसी वजह से ऑपरेशन थिएटर में टाइल्स की जगह स्पेशल मेडिकल मैट लगाया गया है, जो दिखने में बिल्कुल मार्बल जैसा लगता है, लेकिन संक्रमणरोधी होता है।

संक्षिप्त समाचार

माधोपुर कमिटी चौक पर युवक की पिटाईः रस्सी से बांधकर घसीटा, लोहे की रॉड से दागा, छह पर प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ तुरकौलिया। माधोपुर कमिटी चौक के समीप एक युवक को घेरकर बेरहमी से मारपीट कर जख्मी करने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि पीड़ित युवक छठ पूजा की सामग्री खरीदने के लिए चौक पर रुका था। जख्मी युवक की पहचान कोटवा थाना क्षेत्र के मच्छरगांवा सोबैया निवासी नरेंद्र कुमार के रूप में हुई है। पीड़ित ने थाना में आवेदन देकर प्रमोद सहनी, मनोज सहनी, सनोज सहनी, भुवर सहनी (सभी सोहिल छपरा निवासी) समेत दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार, वह माधोपुर से घर लौट रहा था और छठ पूजा का सामान खरीदने के लिए कमिटी चौक पर रुका। तभी पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उसे घेर लिया और बाइक की चाबी निकाल ली। प्रमोद सहनी हाथ में चाकू लेकर धमकाने लगा और कहा कि "इसे रस्सी से बांध कर घसीटते हुए ले चलो, इसकी हत्या कर देनी है।" इसी दौरान मनोज सहनी ने फरसा से वार किया, जिससे उसके पेट में गहरा जख्म हो गया और वह गिर पड़ा। फिर सनोज सहनी ने उसे रस्सी से बांधकर घसीटते हुए पिकअप पर चढ़ा दिया। प्रमोद के आदेश पर भुवर सहनी ने उसके सिर पर लाठी से प्रहार किया, जिससे उसका माथा फट गया और वह बेहोश हो गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उसे अपने घर ले जाकर लोहे की रॉड गर्म कर जांघ, पीठ और पैर पर दागा। वह मृत समान हो गया था। इस बीच परिजनों को किसी तरह जानकारी मिली और उन्होंने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद उसकी जान बच सकी। परिजनों ने घायल को तुरकौलिया सीएचसी पहुंचाया, जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि पीड़ित के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हरसिद्धि में दर्दनाक हादसाः डोभी नदी में डूबने से 12 बालक की मौत, गांव में मातमी सन्नाटा

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के उज्जैन लोहियार पंचायत के उज्जैन लोहियार गांव वार्ड नंबर 15 में डोभी नदी में डूबने से एक 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। मृतक अंकल कुमार 12 वर्ष मनोज मांझी का पुत्र था। स्थानीय ग्रामीण मुन्ना साह ने बताया कि परिजन का कहना है कि कुछ बच्चों के साथ वह सुबह में खेलने के लिए निकला था, लेकिन दोपहर में करीब 12:00 बजे उसका शव पानी में उपलता हुआ दिखाई दिया । इसको देखकर ग्रामीणों में हलचल मच गई और पूरा परिजन तथा ग्रामीण वहां जमा हो गए। फिर शव को पानी से निकल गया । वहीं थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते हैं एस आई रामबाबू यादव को पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर भेजा गया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि जांच उपरांत शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में यूडी केस दर्ज किया जाएगा। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बालक की मौत की खबर सुनते ही उसके घर में कोहराम मच गया। वहीं गांव में मातमी सन्नाटा छा गया। पूरे परिवार में चीख पुकार मच गई। उसके माता-पिता भाइयों तथा अन्य लोगों का रोते-रोते बुरा हाल हो गया है।

90 पीस शराब बरामद, धंधेबाज गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहाः बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित धनहा थाना क्षेत्र स्थित उत्तर प्रदेश और बिहार सीमा क्षेत्र के बांसी पुलिस चेक पोस्ट से पुलिस ने शनिवार को सुबह 90 पीस बंटी - बबली देशी शराब बरामद किया है। पुलिस इन्स्पेक्टर सह धनहा थानाध्यक्ष अमीत कुमार सिंह ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर धनहा थाना पुलिस काफी सख्त है। उन्होंने बताया कि बांसी पुलिस चेक पोस्ट पर नियमित और सुचारू रुप से सघन वाहनों की जा की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शनिवार की सुबह सब - इन्स्पेक्टर अजय कुमार और मजिस्ट्रेट विकास कुमार के नेतृत्व में सघन वाहन जांच अभियान चलाई जा रही थी। तभी उत्तर प्रदेश के तरफ से आ रही एक एच एफ डिलक्स बाईक को रोक कर जांच की गई। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान बाईक की सीट पर बोरा में छुपा कर रखे गए 90 पीस बंटी बबली देशी शराब को बरामद करते हुए बाईक जब्त की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार शराब धंधेबाज की पहचान धनहा थाना क्षेत्र के समशेरवा गांव के संदीप चौधरी के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार शराब धंधेबाज के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में बगहा भेजा गया। धनहा थाना पुलिस की सख्त कार्रवाई से शराब धंधेबाजों में हडकंप मच गया है।

मताधिकार हर नागरिक, मतदाताओं का संवैधानिक अधिकार

बीएनएम @ बगहाः लोकतंत्र का महापर्व आरम्भ है आगामी छः नवंबर और ग्यारह नवंबर को मतदाता अपने मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का उपयोग करें इसके लिए नगर के महादलित बस्ती में शनिवार को मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें शिक्षक सुनिल कुमार, विकास मित्र महेश रजक आदि ने स्थानीय महिला पुरुष व युवा मतदाताओं को जागरूक किया। शिक्षक सुनिल कुमार ने कहा कि मताधिकार हमारा संवैधानिक अधिकार है इसे व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। 11 नवम्बर 2025 को बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 में हर नागरिक मतदान करें, ताकि मजबूत लोकतंत्र और सशक्त बिहार का निर्माण हो। मतदाता सूची में नाम होने वाले सभी वैध मतदाता (महिला, पुरुष, युवा, थर्ड जेंडर) अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व में सम्मिलित होकर अपना मतदान अवश्य करना चाहिए। इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा जरुरी निर्देश, सुविधा उपलब्ध कराया जाता है। विकास मित्र महेश रजक ने कहा कि महादलित का वोट प्रतिशत कम होने के कारण जागरूकता आवश्यक है। सभी लोग मतदान करें। मौके पर स्थानीय आरती देवी, बरसाती देवी, रिमझिम देवी, शीला देवी, शांति देवी, नीलम कुमारी, लालबाबु राउत, निशांत राउत, ममता देवी, सुखमीना देवी, मंटू राउत, संटू राउत, रत्ना देवी, रमेश,मधु देवी, बरसाती गोंड, सुरेंद्र साह, राजेंद्र गोंड, रंजन राउत, रंजन ठाकुर, शुभम आदि शामिल रहें।

अस्थायी डायवर्जन से बढ़ी श्रधालुओं की परेशानी

बीएनएम @ जमुई/झाझा। बरमसिया पुल के ध्वस्त होने के बाद विभाग द्वारा आवागमन के लिए घाट के पास उलाय नदी में अस्थायी डायवर्जन बनाया गया है, जिससे नदी का मार्ग संकरा हो गया है। इससे छठव्रती और श्रद्धालुओं को भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने तथा प्रसाद से भरे सूप-डालिया रखने में परेशानी होगी। छठ नहाय-खाय के साथ आरंभ हो गया है, लेकिन इस बार श्रद्धालुओं को नगर क्षेत्र स्थित गणेशी मंदिर छठघाट पर पूजा-अर्चना में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इधर, श्रद्धालुओं ने बताया कि बारिश से घाट की सीढ़ियां भी क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिससे सूप-डालिया रखने की जगह नहीं बची है। लोगों ने जिला प्रशासन से जल्द व्यवस्था सुधारने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि डायवर्जन नदी के बीच में बनाए जाने से पानी का बहाव भी रुक गया है और बीच धारा में प्रतिमा स्थापना के लिए पहले की तरह पंडाल बनाना संभव नहीं हो पाया। इस बार पंडाल नदी की सुखी रेत पर ही बनाया गया है। गणेशी मंदिर छठघाट झाझा का प्रमुख घाट है, जहां खलासी मुहल्ला, बस स्टैंड, रेलवे कॉलोनी, मुख्य बाजार और बाबुबांक क्षेत्र से प्रतिवर्ष 25-30 हजार श्रद्धालु अर्घ्य अर्पित करने आते हैं।

मोतिहारी में संगठित अपराध पर बड़ी चोट, गोविंदगंज में अवैध हथियारों का जखीरा और 2.56 लाख नकद बरामद

बीएनएम @ अरेराज/गोविंदगंज

पूर्वी चंपारण पुलिस ने संगठित अपराध और अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार देर रात एक बड़ी सफलता हासिल की है। गोविंदगंज थाना क्षेत्र के जितवारपुर (पीपरा) गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी उपेंद्र सिंह (49 वर्ष) और उसकी पत्नी गुडिया देवी (42 वर्ष) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने तस्कर दंपति के घर से भारी मात्रा में अवैध हथियार, जिंदा कारतूस और ढाई लाख रुपये से अधिक नकद बरामद किया है। यह बरामदगी जिले में सक्रिय अवैध हथियारों के बड़े नेटवर्क की ओर संकेत करती है। मोतिहारी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित एक उच्च स्तरीय संयुक्त छापेमारी दल ने जितवारपुर (पीपरा) वार्ड संख्या 10 स्थित उपेंद्र सिंह के घर की घेराबंदी कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान सात अवैध आग्नेयास्त्र, जिनमें एक देसी कारबाइन, तीन देसी पिस्तौल, एक देसी कट्टा, एक एक नली बंदूक और एक अतिरिक्त पिस्तौल शामिल है, बरामद किया गया। इसके अलावा एक एयर गन, विभिन्न बोर के कुल 235 जिंदा कारतूस, 2,56,230 नकद राशि, 10.875 लीटर विदेशी शराब और एक वीवो कंपनी का एंड्रॉइड मोबाइल फोन भी पुलिस ने जब्त किया। गिरफ्तार उपेंद्र सिंह और उसकी पत्नी गुडिया देवी के विरुद्ध गोविंदगंज थाना में कांड संख्या 283/25 दर्ज कर आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस को संदेह है कि यह हथियार खेप अंतरजिला तस्कर गिरोह से जुड़ी हुई है। इस नेटवर्क के तार कहां-कहां तक फैले हैं और हथियारों की आपूर्ति किन लोगों को की जाती थी, इसकी जांच में पुलिस टीम जुटी है। इस सफल छापेमारी अभियान का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार (अरेराज), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार (चकिया) और पुलिस उपाधीक्षक अभिनव प्रसाद (सायबर थाना, मोतिहारी) ने किया। अभियान में सर्किल इंस्पेक्टर पूर्णकांत समार्थ (अरेराज), थानाध्यक्ष राजू मिश्रा (गोविंदगंज) व जितेंद्र कुमार (कल्याणपुर), डीआईयू मोतिहारी के पुलिस अवर निरीक्षक विनीत कुमार, अमरजीत कुमार, नितीश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक परमानंद ठाकुर, निक्कू कुमार सिंह, सिपाही चिरंजीवी, चंदन कुमार, पूजा कुमारी, दिग्विजय सिंह, सुरेश यादव, शंभु कुमार व महिला सिपाही पूजा कुमारी सहित कल्याणपुर थाना के एएसआई दीपक कुमार सिंह, सुधीर भगत और प्रोबेशनरी ट्रेनी कांस्टेबल पविशा पासवान शामिल रहे। कार्रवाई में सीपीएमएफ (715-C-SSB) की पूरी टीम भी मौजूद थी। मोतिहारी पुलिस अधीक्षक ने इस कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जिला पुलिस अपराध और अवैध कारोबार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर सख्ती से अमल कर रही है और आगे भी ऐसी कार्रवाइयाँ जारी रहेंगी।

हरसिद्धि में छठ घाटों का बीडीओ ने किया निरीक्षण, व्रतियों की हर सुविधा के लिए प्रशासन अलर्ट

बीएनएम @ हरसिद्धि

लोकआस्था का महापर्व छठ को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार एवं राजस्व पदाधिकारी रामसेवक पासवान ने हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस क्रम में अधिकारियों ने हरसिद्धि छठ घाट, बैरियाडीह घाट, सोनबरसा, धवही घाट का निरीक्षण किया तथा वहां की साफ -सफाई, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जांच की। निरीक्षण के क्रम में बीडीओ गुलशन कुमार ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा- अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने घाटों पर बिजली की समुचित व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, अस्थायी शौचालयों का निर्माण, और गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने के आदेश दिए। साथ ही, सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रशासन ने श्रद्धालुओं को गहरे पानी में नहीं उतरने की हिदायत दी है। बीडीओ ने कहा कि "छठ महापर्व में भारी भीड़ उमड़ती है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की जाएगी। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम और राहत दल को भी अलर्ट रखा जाएगा। "राजस्व अधिकारी रामसेवक पासवान ने कहा कि सभी घाटों की सफाई कार्य अंतिम चरण में है और प्रशासन पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है ताकि व्रतियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

छतौनी पुलिस ने पांच महिला शराब तस्कर समेत छः को किया गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

छतौनी पुलिस ने निजी बस स्टैंड के पीछे भटहा जाने वाली रोड़ में छापेमारी कर पांच महिला शराब तस्कर समेत छह को गिरफ्तार किया है। उनके पास से करीब 34 लीटर देशी चुलाइ शराब भी बरामद हुआ है। सभी तस्कर झोला और बोरा में शराब रखकर सर पर लादकर ले जा रहे थे। मामले में छतौनी थाना के प्रशिक्षु एसआई रजनीश कुमार ने एफआईआर दर्ज कराया है। बताया है कि सूचना मिली कि चार पांच महिलाएं शराब लेकर बस स्टैंड के पीछे भटहा जाने वाली सड़क से शराब लेकर जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस उक्त सड़क में पहूंची। पुलिस पर नजर पड़ते ही सभी सर पर रखें झोला और बोरा लेकर भागने लगे। जिन्हें पकड़ा गया। पकड़े गए तस्करों में सारण जिले के परसादी स्टैंड पुकार राय, छतौनी पायल सिनेमा के पास की रीना देवी, मंजू देवी, इंद्रा नगर की सिरपति देवी, सकीना खातून व भटहा की शारदा देवी है। तलाशी के दौरान पुकार राय के पास से 13 लीटर, रीना देवी के पास से 6.8 लीटर, सिरपति देवी के पास से 5.7 लीटर, सकीना खातून के पास से 5 लीटर, शारदा देवी के पास से 2 लीटर और मंजू देवी के पास से 1 लीटर देशी चुलाइ शराब जब्त किया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि कुल 33.5 लीटर शराब इन तस्करों के पास से बरामद हुआ है। पूछताछ के दौरान पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वे लोग शराब बेचने जा रहे थे। इसी से उनका जीवन यापन चलता है। तबतक पुलिस ने पकड़ लिया। थानाध्यक्ष ने ने कहा कि एफआईआर दर्ज कर आगे की कर्रवाई की जा रही है।

छठ पर नहीं होगी बिजली की किल्लत, मोतिहारी विद्युत विभाग तैयार, कंट्रोल रूम स्थापित

बीएनएम @ मोतिहारी

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को देखते हुए विद्युत विभाग ने निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। उपभोक्ताओं को त्योहारों के दौरान बेहतर सेवा देने के उद्देश्य से विभाग ने डिविजन स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए हैं, जहां से विद्युत आपूर्ति की सतत मॉनिटरिंग की जाएगी।

कंट्रोल रूम से सतत निगरानी, हेल्पलाइन नंबर जारी-विद्युत कार्यपालक अभियंता प्रदीप कुमार सुमन ने सभी उपभोक्ताओं को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए बताया कि पर्व के दौरान बिजली से संबंधित किसी भी समस्या या सहायता के लिए उपभोक्ता सीधे कंट्रोल रूम दूरभाष संख्या – 9264456405 पर संपर्क कर सकते हैं।

सभी विद्युत शक्ति उपकेंद्रों में जेई रैंक के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही पूजा स्थलों पर विशेष पोशाक में विद्युत कर्मी तैनात किए जाएंगे। विभाग ने बताया कि त्योहारों में बिजली की मांग बढ़ने के बावजूद किसी भी प्रकार की कटौती न हो, इसके लिए सभी ट्रांसफॉर्मर और लाइनों की सघन जांच व मरम्मत कार्य पहले ही पूरा कर लिया गया है।

सुरक्षा को लेकर विशेष अपील–कार्यपालक अभियंता प्रदीप कुमार सुमन ने उपभोक्ताओं से शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से पर्व मनाने की अपील की है।

उन्होंने कहा – पटाखे फोड़ते समय सावधानी बरतें: ट्रांसफार्मर, पोल और वायर से उचित दूरी बनाए रखें।

शॉर्ट सर्किट से बचाव: विद्युत उपकरणों के पास किसी भी ज्वलनशील वस्तु या पटाखे का उपयोग न करें।

हाई वैल्यू वायर की सुरक्षा: छठ घाटों से गुजरने वाले हाई वैल्यू वायर पर गार्ड वायर लगाए जा रहे हैं ताकि तार टूटने की स्थिति में भी कोई दुर्घटना न हो।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए पर्व मनाएं, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो और छठ पूजा का उल्लास बना रहे। विद्युत विभाग की यह सक्रिय पहल सुनिश्चित करती है कि महापर्व छठ पूजा के दौरान उपभोक्ताओं को बिजली की कोई किल्लत नहीं होगी।

फैक्ट्री गुजरात में लगाते हैं, वोट लेने बिहार आते हैं पीएम : तेजस्वी

फैक्ट्री भी लगेगी, विक्ट्री भी होगी : शाहनवाज हुसैन

बीएनएम @ पटना

तेजस्वी यादव

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, सियासी बयानबाजी तेज होती जा रही है। शनिवार को राघोपुर सीट से आरजेडी उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा और उसके नेता सिर्फ "नकारात्मक राजनीति" करते हैं।तेजस्वी ने पटना में पत्रकारों से कहा, "प्रधानमंत्री बिहार को न्याय देने में नाकाम रहे हैं। फैक्ट्री गुजरात में लगवाते हैं और बिहार में सिर्फ वोट लेने आते हैं। नौकरी दे नहीं सकते, पलायन रोक नहीं सकते, और बिहार को अब भी विकास से कोसों दूर रखा गया है।" उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि चुनाव आते ही "जांच की राजनीति" शुरू कर दी जाती है, ताकि असली मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाया जा सके।तेजस्वी ने कहा कि बिहार की जनता अब गुमराह नहीं होगी और वह रोजगार, शिक्षा और पलायन जैसे मुद्दों पर ही फैसला करेगी।इधर, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने तेजस्वी के आरोपों पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा, "तेजस्वी यादव को अपनी हार का अंदाजा हो गया है, इसलिए वे बेतुकी बातें कर रहे हैं।"शाहनवाज ने आगे कहा, "नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए मजबूती से चुनाव लड़ रहा है। बिहार में फैक्ट्री भी लगेगी और विक्ट्री भी होगी।" उन्होंने दावा किया कि एनडीए इस बार 200 से ज्यादा सीटों के साथ सरकार बनाएगी।बयानबाजी के इस दौर ने बिहार की चुनावी राजनीति को और गरम कर दिया है। अब देखना यह है कि विकास और रोजगार के मुद्दे पर जनता किस पर भरोसा जताती है।

सूप डलिया बनाने वाले कारीगरों के चेहरे पर मंदी की मार

बीएनएम @ जमुई/झाझा

बाजारों में सजी सूप डलिया की दुकान

लोक आस्था के महापर्व छठपूजा पर मंदी की मार सूप डलिया बनाने वाले कारीगरों के चेहरे पर शनिवार से ही झलकना शुरू हो चुका है। सूप, डलिया बनाने वाले कारीगर बिच्छू डोम, मोरम देवी ने बताया कि पहले इस कारोबार को लेकर एक माह से तैयारी शुरू कर देते थे। लेकिन अब बांस कम मात्रा के क्षेत्रों में मिल रहा है और जो भी बांस मिल रहा है वह काफी महंगा मिल रहा है। सूप डलिया बनाने वाले कारीगर के दुकानों पर कद्दू भात के दिन ग्राहकों के इंतेजार में पूरा समय गुजार दिया लेकिन ग्राहकों की भीड़ का जो अनुमान होना था वह दिखाई नही दिया जिससे दुकानदार चिंतित दिखाई दिए। दुकानदार ने बताया कि यह धंधा जिस तरह से बीते दो से तीन साल से काफी फीका होते जा रहा है जिससे हमलोग पूंजी नही निकाल पाते हैं इसलिए हमलोगों के घरों के लोग भी इस रोजगार में रुचि नही रख रहे हैं। आगे दुकानदारों ने बताया कि पंडाल बनाने वाले लोग पहले ही बांस अधिक मात्रा में खरीद लेते हैं जिससे बांस इन क्षेत्रों में नही मिल पा रहा है।

अरेराज में शांति व सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, दोहरी शांति समिति बैठकें संपन्न

बीएनएम @ अरेराज (पूर्वी चंपारण)

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा और आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और निष्पक्ष माहौल में संपन्न कराने के लिए अरेराज प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में शनिवार को अरेराज थाना परिसर में कार्यपालक दंडाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में दो महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों का उद्देश्य पर्व और चुनाव दोनों के दौरान विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ रखना और किसी भी अप्रिय घटना को रोकना रहा। पहली बैठक में छठ पर्व के मद्देनजर घाटों की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और साफ-सफाई पर विशेष चर्चा की गई। प्रशासन ने निर्णय लिया कि छठ घाटों के 100 मीटर के दायरे में पटाखा बेचने और बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, घाटों पर डीजे या उच्च ध्वनि वाले लाउडस्पीकर का प्रयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। कार्यपालक दंडाधिकारी ने कहा कि इन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दूसरी बैठक आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रित रही। इसमें प्रशासन ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से सहयोग की अपील की। चुनाव के दौरान शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी और आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। लोगों से यह भी अपील की गई कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर फैलने वाली अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या प्रलोभन की सूचना तुरंत पुलिस या प्रशासनिक अधिकारियों को दें, ताकि असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाया जा सके। बैठक में सर्किल इंस्पेक्टर पूर्णकांत समर्थ, थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी, अपर थानाध्यक्ष रामेंद्र कुमार सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। वहीं नगर अध्यक्ष रंटू पांडेय, उप मुख्य पार्षद अहमद आजाद अली और सभी वार्ड पार्षदों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यपालक दंडाधिकारी आलोक कुमार ने लोगों से अपील की कि वे छठ पर्व को शांति और श्रद्धा के साथ मनाएं तथा चुनाव में निर्भय होकर मतदान करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता दोनों अवसरों पर अमन, सौहार्द और सुरक्षा बनाए रखना है ताकि अरेराज क्षेत्र में छठ महापर्व और विधानसभा चुनाव बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके।

संक्षिप्त समाचार

जीविका भवन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम @ जमुई/ लक्ष्मीपुर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-डीएम के सौजन्य से जिले भर में मतदाताओं को जागरूक करने हेतु स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही है। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम जमुई जिले की जीविका दीदियां मेंहदी, शपथ, रैली, संध्या चौपाल कर मतदाताओं को जागरूक कर रही हैं।शनिवार को जमुई जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड स्थित नाजारी में जीविका भवन के प्रांगण में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में कुशल जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ से जुड़ी सदस्य दीदियां पूरे जोश के साथ शामिल हुईं। जीविका भवन के प्रांगण में महिलाओं ने खूबसूरत सी रंगोली बनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दी। कई महिलाओं ने अपने हाँथों में मेंहदी से "पहले मतदान, फिर जलपान", "यूथ चला बूथ", "हर वोट कीमती है, वोट देने की विनती है" लिखकर जागरूकता का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में डीपीएम जीविका संजय कुमार, बीपीएम लक्ष्मीपुर मुकेश कुमार, प्रबंधक सामाजिक विकास रबिन्द्र कुमार सहित सौ की संख्यां में जीविका दीदियां शामिल हुईं।डीपीएम जीविका संजय कुमार ने महिलाओं को मतदान का महत्व समझाया, साथ ही उन्होंने सभी को 11 नवंबर 2025 को अपना-अपना वोट देने के लिए अपील भी किए।तत्पश्चात जीविका दीदियों ने लक्ष्मीपुर प्रखंड परिसर में स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाता जागरूकता रैली निकाली। "वोट डालने जाना है, अपना फर्ज निभाना है", "महिलाओं ने ठाना है, वोट डालने जाना है" जैसे नारों की गूंज से लक्ष्मीपुर प्रखण्ड परिसर गुंजायमान हो गया।

छठ मां की प्रतिमा की स्थापना को लेकर बैठक आयोजित

बीएनएम @ जमुई/झाझा। प्रखंड क्षेत्र के शैर गांव में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारी को लेकर शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक हनुमान मंदिर प्रांगण में हुई, जिसकी अध्यक्षता छठ पूजा समिति के अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव ने की। बैठक में सचिव गौतम मंडल, कोषाध्यक्ष जगदेव मंडल, पप्पू यादव, ब्रह्मदेव मंडल, सुधीर शाह, सुमित कुमार सहित दर्जनों ग्रामीणों ने भाग लिया।बैठक में छठ माता की प्रतिमा स्थापना की तिथि, स्थल चयन और कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने निर्णय लिया कि इस वर्ष भी पिछले वर्षों की तरह छठ पर्व को भव्य और शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाएगा। इसके साथ ही छठ घाट की साफ-सफाई, घाट तक पहुंचने के रास्ते की मरम्मत, रोशनी की व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन जैसे आवश्यक बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया गया।अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव ने बताया कि छठ माता की प्रतिमा स्थापना से पहले पूरे गांव में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि यह पर्व गांव की एकता, श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है, जिसे हर वर्ष पूरे उत्साह और आस्था के साथ मनाया जाता है।

मौसम विभाग ने राज्य में 29 से 31 अक्तूबर की अवधि के दौरान वर्षा की जताई संभावना, किसानों को दिए एहतियाती परामर्श

बीएनएम @ पटना। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि बिहार राज्य में 29 से 31 अक्टूबर 2025 की अवधि के दौरान अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। राज्य के उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी जिलों में 29 और 31 अक्टूबर को एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा भी हो सकती है। साथ ही, इस अवधि में राज्य के कई हिस्सों में वज्रपात तथा 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से चलने वाली तेज हवा की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी एवं समीपवर्ती दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर स्थित कम दबाव का क्षेत्र अवदाब में परिवर्तित हो गया। यह प्रणाली लगभग 7 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम दिशा में बढ़ती हुई आज, 25 अक्टूबर 2025 को प्रातः 08:30 बजे तक उसी क्षेत्र में केंद्रित थी। इसके पश्चिम उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 26 अक्टूबर तक एक गहरे अवदाब में परिवर्तित होने की संभावना है। इसके पश्चात यह प्रणाली 27 अक्टूबर की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम एवं समीपवर्ती पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान का रूप ले सकती है। आगे चलकर इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में गति करते हुए 28 अक्टूबर की सुबह तक यह गंभीर चक्रवाती तूफान में परिवर्तित हो सकता है। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए, इस प्रणाली के 28 अक्टूबर की शाम या रात के दौरान काकीनाडा के आसपास, मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच आंध्र प्रदेश तट पर भूमि से टकराने की अत्यधिक संभावना है। मौसम विभाग ने किसान भाइयों तथा जनसामान्य के लिए एहतियाती सलाह जारी किए हैं। वर्तमान में खरीफ फसलों की कटाई का समय है, अतः किसान भाई अपनी पकी हुई फसलों को शीघ्र काटकर सुरक्षित स्थान पर रखें। खेतों तथा खुले में सुखाने के लिए रखे फसलो का उचित भंडारण कर ले करें। सब्जी वाली फसलों की सिंचाई फिलहाल टाल दें। वज्रपात से सुरक्षा के लिए आकाशीय बिजली के समय खुले मैदान, ऊँचे पेड़ों, जलाशयों या बिजली के खंभों के पास न खड़े हों। घर के अंदर रहें तथा मोबाइल फोन या अन्य विद्युत उपकरणों का प्रयोग सावधानीपूर्वक करें।

केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार "झूठ और जुमलों की राजनीति" कर रही : लालू

बीएनएम @ पटना। लोकआस्था के महापर्व छठ की शुरुआत शनिवार को नहाय-खाय के साथ हो गई। पूरे बिहार में श्रद्धा और उल्लास का माहौल है। घाटों की सफाई, सजावट और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी की जा रही हैं। श्रद्धालु व्रत की परंपरागत विधियों में जुटे हैं। लेकिन इस धार्मिक उत्सव के बीच राजनीति भी तेज हो गई है।आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार "झूठ और जुमलों की राजनीति" कर रही है। उन्होंने छठ पर्व के अवसर पर रेलवे सेवाओं को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। लालू ने X (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि सरकार ने दावा किया था कि कुल 13,198 ट्रेनों में से 12,000 ट्रेनें चलेंगी, लेकिन यह "सफेद झूठ" निकला। उनके मुताबिक, बिहार के प्रवासी अब भी अपने घर लौटने के लिए परेशान हैं।लालू यादव ने कहा कि बिहार के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अभाव में हर साल दूसरे राज्यों की ओर पलायन करना पड़ता है। पर्व के समय भी उन्हें यातायात सुविधा नहीं मिल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार की नीतियां बिहार विरोधी हैं और राज्य के विकास के प्रति उसकी कोई गंभीरता नहीं है।गौरतलब है कि रेलवे विभाग ने छठ पर्व को देखते हुए 12,000 स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की थी, ताकि यात्रियों को सुविधा मिल सके। हालांकि लालू यादव का कहना है कि ट्रेनों की कमी और भीड़भाड़ से लोग परेशान हैं।राजनीतिक बयानबाजी के बीच बिहार में छठ की तैयारियां जोरों पर हैं। घाटों पर सफाई और सजावट जारी है, और श्रद्धालु सांस्कृतिक परंपराओं का पालन कर रहे हैं।

छठ महापर्व : पटना के गंगा घाटों पर उमड़ी भीड़, पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

छठपर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का अद्भुत संगम,नहाय-खाय से शुरुआत

बीएनएम @ पटना

बिहार में लोकआस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ की शुरुआत शनिवार को नहाय-खाय के साथ हो गई। गंगा किनारे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और बेगूसराय समेत पूरे प्रदेश में व्रती महिलाओं ने गंगा स्नान कर भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना की। घाटों पर प्रसाद तैयार करने और पारंपरिक गीतों की गूंज से माहौल भक्तिमय हो गया। व्रती महिलाएं इसे केवल पर्व नहीं, बल्कि पारिवारिक एकता और आस्था का प्रतीक मानती हैं।इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रदेशवासियों को छठ की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व ट्विटर) पर बिहार की प्रसिद्ध लोकगायिका शारदा सिन्हा का छठ गीत साझा किया। पीएम मोदी ने कहा कि छठ महापर्व "आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का अद्भुत संगम" है। उन्होंने लिखा कि सूर्य को अर्घ्य देने की यह परंपरा हमें प्रकृति के साथ जुड़ने का संदेश देती है।प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि शारदा सिन्हा और बिहार के कई लोक कलाकारों ने छठ को एक विशिष्ट पहचान दी है। उनके गीत सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि छठ पूजा के गीतों में भक्ति, प्रेम और प्रकृति का अनूठा मेल झलकता है।घाटों पर उमड़ी भीड़ और व्रतियों की श्रद्धा ने पूरे बिहार में आस्था का माहौल बना दिया है। यह पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक बन गया है। शारदा सिन्हा जैसे कलाकारों के गीतों ने इस महापर्व को और भी रंगीन और भावनात्मक बना दिया है।

बाढ़ पीड़ितों की मदद करना अपराध है तो मैं बार-बार करूंगा" : पप्पू यादव

बीएनएम @ पटना

स्वतंत्र सांसद पप्पू यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि उन्हें इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिला है। यादव का आरोप है कि यह नोटिस उन्होंने वैशाली के बाढ़ पीड़ितों की मदद के दौरान नगद वितरण के कारण जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना अपराध बताना गलत है और अगर यह अपराध है तो वे इसे बार-बार करते रहेंगे।पप्पू यादव ने पोस्ट में कहा कि वैशाली जिले के नयागांव पूर्वी पंचायत के मनियारी गांव में गंगा ने लोगों के घर बहा दिए थे। ऐसी आपदा में उन्होंने पीड़ितों के बीच जाकर मदद की और नगद दिए। अब इसी पर कार्रवाई की जा रही है। यादव ने सवाल उठाया कि क्या गरीबों की मदद पर कार्रवाई कर के अधिकारियों ने संवेदनशीलता दिखानी है।उन्होंने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि अगर वे यह मदद नहीं करते तो क्या वे उन नेताओं की तरह मूकदर्शक बने रहते जो चुनाव के वक्त सामने आ जाते हैं और बाद में दिखाई नहीं देते। पप्पू ने साफ कहा कि वे जनता के बीच रहकर जनसेवा जारी रखेंगे, चाहे उसे किसी भी तरह की कार्रवाई का सामना क्यों न करना पड़े।इस बयान ने राजनीतिक बहस भी तेज कर दी है। विपक्षी और सिविल सोसाइटी समूहों में चर्चा है कि आपदा राहत और मानवीय सहायता पर क्या कानूनी कार्रवाई होना चाहिए और उसे किस पैमाने पर परखा जाना चाहिए। नागरिक अधिकार संगठनों का कहना है कि आपदा राहत के काम में पारदर्शिता और नियम दोनों जरूरी हैं, लेकिन जरूरतमंदों की सहायता को दंडनीय स्वरूप देने से पहले मामले की संवेदनशीलता को समझना चाहिए।इनकम टैक्स विभाग की ओर से अभी तक आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है। घटना ने चुनावी माहौल और प्रशासनिक जवाबदेही पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

गुगुलडीह में युवाओं ने उत्साहपूर्वक की छठ घाट की सफाई

बीएनएम @जमुई

घाट की सफाई करते युवा

बरहट प्रखण्ड अंतर्गत गुगुलडीह मंडल टोला वार्ड नंबर 04 में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारी जोरों पर है। इस पावन पर्व के स्वागत में युवाओं ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए घाट और आस-पास के इलाकों की साफ-सफाई शुरू कर दी है।स्थानीय युवा प्रियांशु कुमार, अभिनंदन कुमार, सोनू कुमार और अभिषेक कुमार ने बताया कि प्रशासनिक स्तर पर सफाई अभियान की शुरुआत न होने के कारण उन्होंने स्वयं ही यह कार्य सामूहिक रूप से करने का निर्णय लिया। उनका कहना था कि छठ पूजा में अब महज तीन दिन शेष हैं, ऐसे में स्वच्छ घाट ही श्रद्धालुओं के लिए सबसे बड़ी सेवा है।सफाई अभियान में शामिल विशाल, राजेश, रोशन, राहुल, अंकित, सुन्नी, दीपक, अमरजीत, आदर्श और प्रशांत ने बताया कि यह कार्य सिर्फ सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में एकता और जनसहभागिता का संदेश देने का प्रयास भी है। युवाओं ने सभी श्रद्धालुओं को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अपील की कि वे स्वच्छता और श्रद्धा के साथ पर्व मनाएं।

छठ महापर्व : बगहा के 29 घाटों पर तैयारियां तेज

बीएनएम @ बगहा

बैठक कर तैयारी पर चर्चा करते कमेटी के सदस्य

बगहा नगर क्षेत्र में लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। नगर परिषद ने कुल 29 छठ घाटों को चिन्हित किया है, जिनमें नरैनापुर, गोलाघाट, कैलास नगर, डुमवलिया, काली घाट, गोड़ियापट्टी, रामधाम मंदिर, बच्चा बाबू घाट, पारस नगर, रत्नमाला, दीनदयाल नगर, पुअर हाउस, रजवटिया, हरहा मतौरा टोला, तिरहुत नहर और पिपरिया घाट प्रमुख हैं। इन सभी घाटों पर सफाई, लाइटिंग, सजावट और पहुंच मार्गों को सुधारने का कार्य तेजी से चल रहा है। नगर के शास्त्री नगर छठ घाट पर पूजा समिति के सदस्य तैयारियों में जुटे हैं। वहीं बगहा के प्रसिद्ध दीनदयाल घाट छठ पूजा समिति के अध्यक्ष सह जदयू के वरिष्ठ नेता राकेश सिंह ने बताया कि व्रतियों की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम, लाइटिंग और बैठने की विशेष व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस बार करीब 30 लाख रुपये का खर्च अनुमानित है, जिसके लिए हर वर्ष की तरह इस बार भी चंदा एकत्र किया जा रहा है। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मोबिन अंसारी ने कहा कि घाट पर मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें झूला आकर्षण का केंद्र रहेगा। समिति के अन्य सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी गंगा आरती, अखंड अष्टयाम और महाभंडारा का आयोजन होगा। घाट की साज-सज्जा और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बगहा थाना पुलिस घाटों पर सुरक्षा के लिए तैनात रहेगी। नगर परिषद प्रशासन ने भी अपने कर्मियों को सफाई, लाइटिंग और अन्य व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न घाटों पर नियुक्त किया है। श्रद्धालु और व्रती छठ पर्व को लेकर उत्साहपूर्वक तैयारियों में जुटे हैं।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए राजनीति में युवाओं की भागीदारी अनिवार्य

» नई पीढ़ी की भागीदारी से लोकतंत्र बनेगा और अधिक जीवंत

बीएनएम @ जमुई

देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने के लिए युवाओं का आगे आना आवश्यक है। लोगों ने अपनी राय व्यक्त की कि जब ऊर्जावान युवा राजनीति में शामिल होते हैं, तो वे न केवल देश के बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं, बल्कि नीतियों में जनहित और विकास के बीच उचित संतुलन भी स्थापित करते हैं। यह भी कहा गया कि देश की राजनीति को ऐसे लोगों के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता जो इसे केवल अपनी पारिवारिक संपत्ति मानते हैं। इसलिए, अधिक उम्र वाले नागरिकों की यह जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को संसदीय प्रणाली और उसके नियमों की जानकारी देकर उन्हें प्रोत्साहित करें।राजनीति में युवाओं की सक्रिय और व्यापक भागीदारी लोकतंत्र की नींव को और अधिक मजबूत करती है। युवाओं की सोच और ऊर्जा से ही देश का राजनीतिक परिदृश्य सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकता है।

क्या कहते है युवा

राजनीति में युवाओं की भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत करती है और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

सन्तानु सिंह, गुगुलडीह,बरहट

युवाओं में ऊर्जा, सोच और बदलाव की ताकत होती है। अगर वे सक्रिय रूप से राजनीति में आएं तो व्यवस्था में नई दिशा आ सकती है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे युवाओं को सिर्फ पोस्टर तक सीमित न रखें।"

अमित सिंह, पीडरौन, लक्ष्मीपुर

देश के प्रतिभागी और ऊर्जावान युवा राजनीति में आते हैं, तो ये देश के भविष्य होंगे। इनके आने से भारत की राजनीति का नया चेहरा बनेगा। देश की राजनीति को सिर्फ उन लोगों के हाथ में नहीं छोड़ा जा सकता, जो इसे केवल अपने परिवार की संपत्ति समझते हैं।

विमल कुमार मिश्रा, गिद्धौर

आज राजनीति में युवाओं की भागीदारी की जरूरत है। जब युवा भागीदारी से ही नीतियों में जनहित और विकास का संतुलन बनेगा। नई राजनीति गढ़ने की जिम्मेदारी अब युवा पीढ़ी के हाथ में है।

रेणु कुमारी, गुगुलडीह, बरहट

युवा ही देश का भविष्य हैं, और जब वे राजनीति में सक्रिय होते हैं, तो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में देश के भविष्य की दिशा तय करने की क्षमता विकसित होती है, जिससे लोकतंत्र मजबूत होता है।

कुंदन कुमार, चिनवेरिया, लक्ष्मीपुर

राजनीति में युवाओं की भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत करती है क्योंकि यह नई सोच, ऊर्जा और नवाचार लाती है, जिससे राजनीतिक प्रक्रिया अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनती है।

गुडन कुमार, सुखलेवा, बरहट

राजनीति में युवाओं की भागीदारी जरूरी है, क्योंकि वही आने वाले भारत की दिशा और दशा तय करेंगे।

अनिल कुमार, सुदामपुर, बरहट

युवा परिवर्तन के प्रतीक हैं, उनकी राजनीति में भागीदारी लोकतंत्र को जीवंत और सशक्त बनाती है।

मुकेश राम, गुगुलडीह, बरहट

नेताओं के बच्चों के लिए नहीं, इस बार अपने बेटों के भविष्य के लिए दें वोट : प्रशांत किशोर

बीएनएम @ पटना

प्रशांत किशोर

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शनिवार को एक जनसभा में भावुक अपील की कि बिहार की जनता अब नेताओं के बजाय अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट करे। उन्होंने कहा कि "नेताओं के बच्चों के लिए बहुत वोटिंग हो चुकी है, अब एक बार अपने बेटों के भविष्य के लिए भी वोट दीजिए।"किशोर ने कहा कि जन सुराज कोई आम राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि बिहार को नई दिशा देने का जन आंदोलन है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन सालों से वे जन सुराज यात्रा के माध्यम से राज्य के हर कोने में जाकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं। उनका लक्ष्य सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि बिहार में रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारना है।उन्होंने कहा कि बिहार की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी और पलायन है, लेकिन राजनीतिक दल केवल सत्ता की राजनीति में उलझे रहते हैं। किशोर ने जनता से अपील की कि वे जाति और परिवारवाद से ऊपर उठकर इस बार अपने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखकर मतदान करें।सभा में बड़ी संख्या में किसान, छात्र और युवा मौजूद थे। किशोर ने कहा कि जन सुराज पार्टी बिहार की सभी विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतार रही है, ताकि जनता को एक ईमानदार और जवाबदेह विकल्प मिल सके। उन्होंने कहा, "अगर बिहार की जनता साथ देगी, तो आने वाले वर्षों में यह राज्य पलायन और गरीबी से नहीं, बल्कि रोजगार और विकास के लिए जाना जाएगा।"सभा के अंत में लोगों ने "बदलेगा बिहार" के नारे लगाए और प्रशांत किशोर की इस अपील ने चुनावी माहौल में एक नई बहस छेड़ दी है।

दरभंगा का मुरैठा बालक विद्यालय प्रशासनिक उपेक्षा की मार, बच्चों का भविष्य अधर में

बीएनएम @ दरभंगा/जाले

दरभंगा का मुरैठा बालक विद्यालय का जर्जर भवन

जिले के जाले प्रखंड के मुरैठा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय मुरैठा बालक सरकारी दावों और जमीन पर वास्तविक स्थिति के बीच की खाई को दिखाता है। करोड़ों की शिक्षा योजनाओं और "सब पढ़ें, सब बढ़ें" के नारे के बावजूद स्कूल जर्जर हो चुका है और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।स्कूल में न बेंच हैं, न कुर्सियां, और फर्श गंदा व टूट-फूट वाला है। बच्चे पढ़ाई के लिए जमीन पर बैठते हैं। शौचालय की स्थिति इतनी खराब है कि उसका इस्तेमाल संभव नहीं। स्कूल में न बाउंड्री है और न गेट, जिससे बच्चों की सुरक्षा हमेशा खतरे में रहती है। भवन जर्जर है और दीवारों में बड़ी दरारें पड़ चुकी हैं। ग्रामीण बताते हैं कि किसी भी वक्त यह भवन हादसे का कारण बन सकता है।गांव वालों का कहना है कि पहले बच्चे स्कूल नहीं आते थे। प्रधानाध्यापिका ने कई बार घर-घर जाकर बच्चों को स्कूल आने के लिए समझाया। इसके बावजूद शिक्षा विभाग और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाया गया। मिड-डे मील के लिए बनाए गए रसोईघर की स्थिति भी खराब है। बारिश में खाना बनाना लगभग असंभव हो जाता है।स्कूल में कुल दो कमरे हैं, जो क्लासरूम, कार्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में साझा किए गए हैं। शिक्षक, बच्चे और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सभी सीमित जगह में कार्य करते हैं। स्थानीय विधायक जीवेश मिश्रा और प्रशासन ने अब तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।मुरैठा बालक विद्यालय की स्थिति केवल इस स्कूल की समस्या नहीं, बल्कि बिहार के कई ग्रामीण स्कूलों की यही कहानी है। अगर समय रहते सुधार नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ी शिक्षा के अभाव में गंभीर नुकसान झेल सकती है। प्रशासन की उपेक्षा बच्चों के भविष्य पर सवाल खड़ा करती है और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर असर डालती है।

'नायक नहीं, खलनायक हैं तेजस्वी : दिलीप जायसवाल

बीएनएम @ पटना

दिलीप जायसवाल

बिहार की सियासत इन दिनों पोस्टर और बयानों की जंग में दिलचस्प मोड़ ले चुकी है। शनिवार को राजद ने अपने नेता तेजस्वी यादव को 'बिहार का नायक' बताते हुए पटना स्थित पार्टी कार्यालय के बाहर एक नया पोस्टर लगाया। पोस्टर में तेजस्वी की बड़ी तस्वीर के साथ लिखा था – "बिहार का नायक"।पोस्टर सामने आते ही भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक फिल्मी अंदाज़ में कहा, "नायक नहीं, खलनायक है वो..."। जायसवाल ने कहा कि राजद बिहार की राजनीति को नायक और खलनायक की कहानी में बदलना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले जननायक कर्पूरी ठाकुर का नाम इस्तेमाल कर जनता को गुमराह किया गया, और अब तेजस्वी यादव को नया "नायक" बताकर एक और नाटक शुरू हो गया है।जायसवाल ने तंज कसा कि "आज 'नायक' लिखा है, कुछ दिनों में वही पोस्टर 'खलनायक' में बदल जाएगा।"गौरतलब है कि गुरुवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने महागठबंधन की प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था, जबकि मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम पद का दावेदार बताया गया था।दूसरी ओर, एनडीए भी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तैयारी में जुटा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इशारा किया है कि नतीजों के बाद विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री का नाम तय किया जाएगा।राजनीति में बयानबाज़ी नई नहीं, लेकिन बीजेपी अध्यक्ष का यह फिल्मी तंज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। अब देखना यह है कि इस पोस्टर युद्ध में जनता किसे "नायक" और किसे "खलनायक" मानती है।

अमेरिका–चीन का ट्रेड वॉर, सोने–चांदी का नया स्वर्ण युग?

विश्व अर्थव्यवस्था में एक बार फिर भूचाल की स्थिति देखने को मिल रही है। अमेरिका और चीन के बीच छिड़ी ट्रेड वॉर ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उथल-पुथल मचा दी है। अमेरिका द्वारा चीन पर 100प्रतिशत टैक्स लगाने और चीन ने जवाब में रेयर अर्थ मेटल्स के निर्यात पर रोक लगाने से साफ संकेत मिल रहा है, आने वाले महीनों में वैश्विक व्यापार एक नई दिशा पर चलने वाला है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे राजनीतिक सामरिक एवं व्यापारिक तनाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था एक नया मोड़ ले रही है। नई व्यवस्था में विभिन्न देशों की मुद्राएं जिसमें प्रमुख रूप से डालर है, उसको लेकर सारी दुनिया के देशों में एक अविश्वास देखने को मिल रहा है। हर देश अपनी मुद्रा को सुरक्षित रखने के लिए स्वर्ण भंडार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। औद्योगिक विकास के युग में चांदी भी मुद्रा के रूप में स्थापित होती जा रही है, जिसके कारण दुनिया में एक बार फिर सोने एवं चांदी की मांग बढ़ती चली जा रही है। जिसके कारण सोने और चांदी की कीमतें नए-नए रिकॉर्ड बना रही हैं। सोना और चांदी की चमक के आगे सब कुछ फीका पड़ रहा है। इतिहास गवाह है, जब भी दुनिया में आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है, निवेशकों के बीच में गोल्ड और सिल्वर को सबसे "सेफ हेवन" यानी सुरक्षित निवेश माना जाता है। सोने और चांदी के भंडार ने हमेशा परिवारों और सत्ता में बैठे हुए लोगों को बुरे वक्त पर सहारा देने का काम किया है। वर्तमान में वही परंपरा दोहराई जा रही है। अमेरिका के डॉलर इंडेक्स में गिरावट और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड के मूल्यांकन में लगातार गिरावट से सोने की मांग दुनिया भर के सभी देशों में तेजी से बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 3000 डालर के पार जा चुका है। चांदी ने भी जबरदस्त तेज रफ्तार पकड़ ली है। भारत में दीपावली का त्योहार और शादी के सीजन ने सोना एवं चांदी की मांग को बढ़ा दिया है। भारत में सोने और चांदी के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं लेकिन अब विश्व के अन्य देशों में भी सोने एवं चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है जिसके कारण दाम भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। जिसकी कभी कल्पना लोगों ने नहीं की थी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए दुनिया भर के सेंट्रल बैंक गोल्ड खरीद रहे हैं। चीन, रूस और तुर्की ने पिछले कुछ महीनों में अपने भंडारों में हजारों टन सोना जोड़ा है। भारत ने भी पिछले 10 महीनो में सोने के स्टॉक को बढ़ाया है। यह संकेत है, डॉलर आधारित मौद्रिक व्यवस्था पर दुनिया के सभी देशों का भरोसा कम होता जा रहा है। कुछ अर्थशास्त्रियों का तो मानना है, अगर यह रुझान आगे भी जारी रहा, तो आने वाले दशक में सोना फिर से वैश्विक वित्तीय व्यवस्था मे लेन-देन का आधार बन सकता है। हर तेजी के पीछे जोखिम भी छिपा होता है। सोने और चांदी के दाम जिस तेजी के साथ बढ़ रहे हैं उसको लेकर जोखिम भी लगातार बढ़ता चला जा रहा है। फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में बढ़ोतरी करता है, रूस यूक्रेन अमेरिका चीन इजरायल या गाजा के हालात सुधरते हैं ऐसी स्थिति में सोने-चांदी के दामों में गिरावट भी आ सकती है। निवेशकों के लिए यह समय बेहद सतर्कता के साथ निवेश करने का है। छोटे निवेशकों को अंधी दौड़ से बचना होगा। छोटे निवेशक अपने धन को कई स्थानों पर और कई तरह से निवेश करें ताकि एक जगह पर नुकसान होता है, तो दूसरी जगह वह सुरक्षित रह सकें। आज की स्थिति बता रही है, सोना और चांदी अब सिर्फ धातु और आभूषण नहीं हैं, ये दोनों धातु अब वैश्विक स्तर पर रणनीति के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं। वर्तमान में डिजिटल करेंसी और डॉलर की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं।

संघ के प्रकाशनों का विकासः मौखिक प्रचार से लेकर अखिल भारतीय मीडिया में उपस्थिति तक

डॉ. आर. बालाशंकर

आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हर भाषा में प्रकाशन हैं और कहा जाता है कि संघ के प्रकाशनों का संयुक्त प्रसार लगभग बीस लाख है। इनमें से अधिकांश प्रकाशन आत्मनिर्भर हैं। यह आश्चर्यजनक है कि एक ऐसा संगठन जिसने अपने अस्तित्व के लगभग चौथाई सदी तक प्रचार से परहेज किया, आज भारतीय राष्ट्रीय आख्यान के केंद्र में आ गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार कहा करते थे कि संघ कार्य स्वयं बोलेगा और वह प्रचार के पीछे नहीं भागेगा। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन अपनी स्थापना के बाद से लगभग 25 वर्षों तक संघ का कोई प्रकाशन नहीं था। इसने कभी प्रचार की चाह नहीं की और इसके अधिकांश प्रचारक आज भी साधारण जीवन जीते हैं। शुरुआत में संघ मौखिक प्रचार पर निर्भर था। मूलतः यह संगठन और नेटवर्क ही था जो विचारधारा के प्रसार और संगठनात्मक कार्यप्रणाली के प्रसार को पूरा कर रहा था। जैसे-जैसे यह राष्ट्रीय पटल पर वैचारिक शक्ति के रूप में उभरा, इसके कार्यक्रमों, नीतियों और दृष्टिकोण के स्पष्ट प्रकटीकरण की आवश्यकता स्पष्ट हुई। विभाजन के बाद के दौर में महात्मा गांधी की हत्या के बाद संघ के बारे में फैलाए गए झूठ ने संघ को अपने अस्तित्व संबंधी मूल्यों को परिभाषित करने के लिए मजबूर किया। शाखा नेटवर्क का विस्तार इसके राष्ट्रव्यापी प्रभाव और राष्ट्रीय मुद्दों पर इसके दृष्टिकोण की व्याख्या की आवश्यकता के अनुरूप था। इससे अपने स्वयं के प्रकाशनों की आवश्यकता पैदा की, खासकर ऐसे समय में जब मुख्यधारा का मीडिया संघ के कार्यों के प्रति किसी भी प्रकार की सहानुभूति से दूर रहा। संघ ने राजनीति, श्रम और छात्र गतिविधियों सहित कई नए क्षेत्रों में प्रवेश किया। इसकी शाखाएं वैश्विक आयामों तक पहुंच गईं और प्रवासी भारतीय हिंदुत्व दर्शन की ओर तेजी से आकर्षित हुए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत संघ के प्रकाशनों के संपादक के रूप में की। श्री गुरुजी गोलवलकर एक विपुल लेखक और वक्ता थे। संघ ने बड़ी संख्या में प्रख्यात पत्रकारों और लेखकों को जन्म दिया। जैसे- पी. परमेश्वरन, केआर मलकानी, वीपी भाटिया, आर. हरि, एचवी शेषाद्रि, जय दुबाशी, एस. गुरुमूर्ति, राम माधव, भानुप्रताप शुक्ला, दीनानाथ मिश्र, सुनील आंबेकर और जे. नंद कुमार। प्रारंभ में संघ के प्रकाशन स्वयंसेवकों के लिए प्रक्षेपण स्थल बन गए। संघ के पूर्व सह प्रचार प्रमुख जे. नंदकुमार, जो अब संघ के थिंक टैंक प्रज्ञा प्रवाह का कार्यभार संभाल रहे हैं, के मुताबिक संघ के 15 मासिक और साप्ताहिक, 39 जागरण पत्रिकाएं, चार दैनिक समाचार पत्र और 18 प्रकाशन हैं। यह एक टीवी समाचार चैनल जनम भी चलाता है। नंदकुमार कहते हैं कि संघ, जो सामाजिक परिवर्तन के लिए निःस्वार्थ सेवा पर जोर देता है, पारंपरिक रूप से प्रचार से विमुख रहा है। हालांकि, इसने निहित स्वार्थों द्वारा संघ और उसके आदर्शों के विरुद्ध एक नकारात्मक और विकृत आख्यान का प्रचार करने के तीखे प्रहार का मुकाबला करने के लिए प्रचार विभाग की शुरुआत की। इसलिए संघ के लिए, राष्ट्र के सर्वोच्च हित में एक सकारात्मक, राष्ट्रवादी दृष्टिकोण को बनाए रखना और प्रस्तुत करना अनिवार्य हो गया। यह प्रचार के प्रति उसके मूल दृष्टिकोण से विचलन का संकेत नहीं देता। संघ पिछले कुछ दशकों में भारतीय सार्वजनिक विमर्श पर हावी रहा है और इसने भारत की सोच को लगभग बदल दिया है। आज इसका प्रकाशनों का एक सबसे बड़ा नेटवर्क है,

जिसमें दैनिक समाचार पत्र, टीवी चैनल, साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक पत्रिकाएं शामिल हैं। इसके संगठन सोशल मीडिया के क्षेत्र में पहले से कहीं अधिक सक्रिय हैं। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां संघ की प्रचार शाखा ने प्रवेश न किया हो। संघ का सीधे तौर पर कोई प्रकाशन नहीं है। जैसा कि सरसंघचालक मोहन भागवत अक्सर कहते हैं, 'संघ कुछ नहीं करेगा, लेकिन स्वयंसेवक हर क्षेत्र में प्रवेश करेंगे।' संघ के प्रकाशनों ने अक्सर सार्थक राष्ट्रीय बहसों को जन्म दिया है, चाहे वह गोहत्या, गंगा शुद्धिकरण, स्वदेशी अभियान, राम जन्मभूमि आंदोलन, अनुच्छेद 370 का उन्मूलन, समान नागरिक संहिता या फिर चुनाव सुधार और वक्फ बोर्डों के नाम पर अत्याचार हों। संघ ने स्वतंत्रता के बाद, 1940 के दशक के अंत में, लखनऊ से हिंदी में पांचजन्य और दिल्ली से अंग्रेजी में ऑर्गनाइज़र के रूप में अपना प्रकाशन शुरू किया। इसके बाद 1950 के दशक के आरंभ में कई क्षेत्रीय प्रकाशन संघ के बैनर तले आए। आज संघ के प्रकाशन हर भाषा में हैं और कहा जाता है कि संघ के प्रकाशनों का संयुक्त प्रसार लगभग 20 लाख है। ऐसे समय में जब मुद्रित प्रकाशन अपनी पाठक संख्या खो रहे हैं, संघ के प्रकाशन अपनी प्रसार संख्या और पहुंच बनाए रखने में सफल रहे हैं। मलयालम में केसरी साप्ताहिक जैसे कई प्रकाशन विज्ञापनों पर निर्भर रहने की बजाय सदस्यता शुल्क से ज़्यादा चलते हैं। इसका प्रसार अब एक लाख से ज़्यादा है। समय के साथ, इन प्रकाशनों ने अपनी शैली, पहनावे और प्रकाशन की गुणवत्ता में बदलाव किया है। लगभग सभी प्रकाशनों के ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं और वे दुनिया भर के लाखों स्वयंसेवकों तक पहुंचते हैं। जब संघ पर प्रतिबंध लगा था, तब संघ के प्रकाशनों को तीन बार प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था। परंतु प्रतिबंध हटने के बाद इन प्रकाशनों को अपनी पाठक संख्या वापस पाने में कोई कठिनाई नहीं हुई। संघ के ज़्यादातर प्रकाशन निजी या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के नाम पर हैं और ये सभी आत्मनिर्भर हैं, लेकिन लाभ नहीं कमा रहे हैं। बेशक, उन्हें भाजपा शासित राज्यों से विज्ञापन सहायता मिलती है, लेकिन जब कांग्रेस या अन्य गैर-भाजपा दल सत्ता में होते हैं, तो उन्हें ऐसा समर्थन कम ही मिलता है। लंबे समय तक संघ के प्रकाशनों और यहां तक कि संघ समर्थक पत्रकारों को भी बहिष्कार का सामना करना पड़ा और किसी जाने-माने संघ कार्यकर्ता के लिए पत्रकारिता के क्षेत्र में अच्छी नौकरी पाना बेहद मुश्किल था। केंद्र और ज़्यादातर राज्यों में भाजपा की सरकार होने के बावजूद ऐसा भेदभाव आज भी मौजूद है। राष्ट्रीय परिदृश्य में वामपंथी और कांग्रेस समर्थक पत्रिकाओं के प्रभुत्व की तुलना करना दिलचस्प है। आज़ादी के बाद कई दशकों तक वामपंथी और कांग्रेसी प्रकाशनों का ही मीडिया पर दबदबा रहा। कम्युनिस्टों के पास पैट्रियट, लिंक, गणशक्ति पत्रिका, देशाभिमानी, जनयुगम, न्यू एज और पीपुल्स डेमोक्रेसी जैसे कई प्रकाशन थे। इन प्रकाशनों को सोवियत संघ और भारत सरकार से भरपूर समरिथन और धन मिलता था। कांग्रेस सरकारों ने अपने और वामपंथी, दोनों ही प्रकाशनों को बड़े पैमाने पर संरक्षण दिया। कांग्रेस के पास भी नेशनल हेराल्ड, वीक्षणम, जय हिंद टीवी, नवजीवन और कौमी आवाज़ जैसे प्रकाशन थे। इन प्रकाशनों में करोड़ों रुपये डूबे होने के बावजूद आज इनमें से ज़्यादातर या तो बंद होने के कगार पर हैं या फिर गायब हो चुके हैं। इसके विपरीत संघ के प्रकाशन अभी भी फल-फूल रहे हैं। मुख्यतः इसलिए कि वे किसी सरकारी सहायता या राजनीतिक संरक्षण पर निर्भर नहीं हैं। संघ के प्रकाशनों को चलाने के लिए धन मुख्य रूप से इसके कार्यकर्ताओं के योगदान से आता है। आपातकाल (1975) से पहले, भारत प्रकाशन, जो अब ऑर्गनाइज़र और पांचजन्य का संचालन कर रहा है, ने राष्ट्रीय राजधानी से द मदरलैंड नामक एक सफल अंग्रेजी दैनिक शुरू किया था। उस समय द मदरलैंड और ऑर्गनाइज़र में प्रकाशित लेखों पर इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाने और प्रेस सेंसरशिप लगाने के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया था। आपातकाल के दौरान द मदरलैंड के कार्यालय पर छापा मारा गया, उसके प्रेस और मशीनरी को जब्त कर लिया गया और उसके संपादक केआर मलकानी को उनकी संपादकीय टीम के साथ आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (मीसा) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। फिर भी प्रतिरोध आंदोलन (आपातकाल) के दौरान संघ ने भूमिगत साहित्य के उत्पादन और वितरण में अग्रणी भूमिका निभाई। आपातकाल हटने के बाद वित्तीय बाधाओं के कारण द मदरलैंड को पुनर्जीवित नहीं किया जा सका। हालांकि ऑर्गनाइज़र और पांचजन्य फिर से सामने आए, लेकिन इन प्रकाशनों का प्रभाव इतना ज़्यादा था कि 1970 के दशक का जयप्रकाश नारायण आंदोलन मूलतः उनके प्रचार का ही परिणाम था। कुछ लोगों ने तो 1970 के दशक के अंत में जनता पार्टी में हुए विभाजन के लिए भी ऑर्गनाइज़र के लेखों को ही ज़िम्मेदार ठहराया।

एआई और डीपफेक की चुनौतीः नवाचार रोके बिना जवाबदेही कैसे सुनिश्चित करें

डॉ. सत्यवान सौरभ

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज के युग की सबसे प्रभावशाली और परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक बन चुकी है। यह हमारे जीवन के हर क्षेत्र में प्रवेश कर चुकी है- शिक्षा, चिकित्सा, संचार, मनोरंजन और प्रशासन तक। लेकिन तकनीक जितनी तेज़ी से बढ़ी है, उतनी ही तीव्रता से उसके दुरुपयोग की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। इन्हीं में से एक गंभीर चुनौती है- "डीपफेक" और "सिंथेटिक मीडिया" का प्रसार। डीपफेक का अर्थ है ऐसी ऑडियो, वीडियो या छवि जो एआई की मदद से इस तरह बनाई जाती है कि वह पूरी तरह वास्तविक प्रतीत होती है। किसी व्यक्ति का चेहरा बदल देना, उसकी आवाज़ की हूबहू नकल करना या किसी घटना का झूठा वीडियो तैयार करना- अब कुछ ही मिनटों का काम रह गया है। इस तकनीक के माध्यम से किसी के खिलाफ फर्जी वीडियो बनाना, राजनीतिक प्रचार में झूठ फैलाना या किसी महिला की तस्वीर से छेड़छाड़ अत्यंत आसान हो गया है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में, जहाँ सोशल मीडिया का प्रभाव करोड़ों नागरिकों तक है, डीपफेक का खतरा और भी गंभीर हो जाता है। कुछ सेकंड का झूठा वीडियो समाज में अविश्वास, नफरत या भ्रम फैला सकता है। यह केवल नैतिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न बनता जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस चुनौती का कोई संतुलित समाधान संभव है? क्या तकनीक को रोका जाए या उसके साथ जिम्मेदारीपूर्वक चलना सीखा जाए? यही प्रश्न आज के डिजिटल भारत के सामने सबसे बड़ा नीति-संकट बन गया है। भारत सरकार ने इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए हाल में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माध्यम से महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार ने "सिंथेटिक सामग्री की अनिवार्य लेबलिंग" का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत यदि कोई सामग्री कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बनाई गई है या उसमें एआई का हस्तक्षेप हुआ है, तो उसे "एआई जनित" या "सिंथेटिक" के रूप में स्पष्ट रूप से चिन्हित करना होगा। इस कदम का उद्देश्य है पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना, ताकि उपयोगकर्ता यह जान सके कि जो वह देख या सुन रहा है, वह असली है या कृत्रिम रूप से निर्मित। प्रस्तावित नियमों के अनुसार, वीडियो में ऐसा लेबल दृश्यमान रूप से दिखना चाहिए, ऑडियो में शुरुआती हिस्से में इसे सुनाई देना चाहिए और छवियों में भी यह टैग या वॉटरमार्क के रूप में मौजूद रहना चाहिए। यह नीति नवाचार रोकने के लिए नहीं बल्कि समाज में भरोसा कायम रखने के लिए है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सामग्री निर्माताओं के लिए यह नियम न केवल कानूनी दायित्व बनेगा बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी। सरकार का कहना है कि इस कदम से उपयोगकर्ता स्वयं निर्णय ले सकेगा कि वह किस सामग्री को विश्वसनीय माने और किसे नहीं। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी क्रिएटर या प्लेटफॉर्म यदि जानबूझकर बिना लेबल की एआई जनित सामग्री प्रसारित करेगा तो उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। यह पहल भारत को वैश्विक स्तर पर जिम्मेदार डिजिटल राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत कर सकती है क्योंकि अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में भी ऐसी नीतियों पर विचार चल रहा है। सिंथेटिक सामग्री की लेबलिंग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह पारदर्शिता लाती है और नागरिकों को सूचित निर्णय लेने की क्षमता देती है। जब किसी वीडियो या चित्र पर यह स्पष्ट लिखा हो कि यह "एआई जनित" है, तो दर्शक उसे पूरी तरह वास्तविक मानने की गलती नहीं करेगा। इससे फेक न्यूज़, अफवाहों और राजनीतिक दुष्प्रचार के प्रसार पर नियंत्रण पाया जा सकता है। यह लेबलिंग प्रणाली एक प्रकार का डिजिटल "सावधानी संकेत" बन जाएगी, जो लोगों को भ्रामक सामग्री से बचने में मदद करेगी। इसके अलावा यह कदम उन क्रिएटर्स के लिए भी उपयोगी है जो जिम्मेदारी से एआई का प्रयोग करना चाहते हैं। जब हर सामग्री को स्पष्ट रूप से चिन्हित करना आवश्यक होगा, तो कोई भी व्यक्ति बिना जिम्मेदारी लिए गलत उद्देश्य से एआई का उपयोग नहीं कर पाएगा। इससे नैतिक डिजिटल वातावरण का निर्माण होगा। साथ ही, यह नीति तकनीकी उद्योग के लिए भी अवसर लेकर आएगी क्योंकि इससे ऐसे नए टूल्स, डिटेक्शन सिस्टम और एथिकल एआई तकनीकों की मांग बढ़ेगी जो यह सुनिश्चित करें कि कौन-सी सामग्री एआई जनित है और कौन-सी नहीं। परंतु यह कहना भी आवश्यक है कि इस नीति की सफलता केवल सरकार के नियमों पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि समाज की डिजिटल साक्षरता पर भी। यदि नागरिक स्वयं एआई तकनीकों की प्रकृति को नहीं समझेंगे, तो लेबल का अर्थ उनके लिए मात्र एक औपचारिकता बन जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि लेबलिंग के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता अभियान भी चलाए जाएँ ताकि आम लोग सच और कृत्रिमता में फर्क करना सीख सकें। इस नीति का उद्देश्य सराहनीय है लेकिन इसके कार्यान्वयन से जुड़ी कई व्यावहारिक चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि आखिर "सिंथेटिक सामग्री" की परिभाषा क्या होगी। आज अधिकांश डिजिटल सामग्री मिश्रित रूप में होती है- जहाँ कुछ हिस्सा मानव द्वारा बनाया जाता है और कुछ एआई द्वारा। क्या ऐसी सामग्री भी पूरी तरह "एआई जनित" मानी जाएगी? इसके अलावा, यह तकनीकी रूप से बहुत कठिन है कि हर अपलोड होने वाली सामग्री का निरीक्षण किया जाए और यह प्रमाणित किया जाए कि उसमें एआई का उपयोग हुआ है या नहीं। भारत जैसे विशाल देश में, जहाँ हर दिन करोड़ों वीडियो, छवियाँ और ऑडियो फाइलें सोशल मीडिया पर अपलोड होती हैं, वहाँ मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग एक दुष्कर कार्य है। दूसरा, छोटे और मध्यम स्तर के क्रिएटर्स तथा स्टार्टअप्स के लिए यह नियम आर्थिक बोझ बन सकता है। यदि लेबलिंग की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल या महंगी होगी तो नवाचार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। तीसरा, इस नीति से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी प्रश्न उठ सकते हैं। कोई कलाकार यदि एआई का उपयोग केवल रचनात्मक प्रयोग के रूप में करता है तो क्या उसे भी कठोर नियमों का पालन करना होगा? इसलिए यह ज़रूरी है कि नीति में लचीलापन हो और उसे विषय-वस्तु की प्रकृति के अनुसार लागू किया जाए। उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों- जैसे राजनीति, चुनाव, सामाजिक या धार्मिक मुद्दों में सख्त नियम लागू किए जाएँ, जबकि कला, शिक्षा या अनुसंधान के क्षेत्र में थोड़ी छूट दी जाए। अंततः, यह स्पष्ट है कि डीपफेक और एआई जनित सामग्री केवल तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक संकट भी है। सिंथेटिक मीडिया की अनिवार्य लेबलिंग इस दिशा में एक आवश्यक और दूरदर्शी कदम है। इससे न केवल नागरिकों को सुरक्षा मिलेगी बल्कि डिजिटल दुनिया में विश्वास भी पुनः स्थापित होगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि एआई को नियंत्रित कर नवाचार को बाधित किया जाए। आवश्यकता इस बात की है कि नवाचार और जवाबदेही के बीच संतुलन बना रहे। एआई का उद्देश्य मानवता की सेवा है, न कि भ्रम फैलाना या समाज में अविश्वास पैदा करना। इसलिए सरकार, तकनीकी कंपनियों, क्रिएटर्स और नागरिक समाज- सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक का उपयोग पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से हो। डिजिटल साक्षरता, नैतिक दिशानिर्देश, और निरंतर संवाद इस प्रक्रिया के तीन प्रमुख स्तंभ होने चाहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी के बीच ट्रम्प प्रशासन के 50 फीसदी टैरिफ

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग-अलग दर से टैरिफ लगाया, परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। खुशी की बात यह है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य बना हुआ है। सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है। परंतु भारत का अन्य देशों को निर्यात लगभग 11 प्रतिशत से बढ़कर 3,638 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए निर्यात से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। सितम्बर माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत द्वारा अमेरिका को कम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों को निर्यात बढ़ा कर कर ली गई है। सितम्बर माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर माह में प्रारम्भ हुए त्योहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। खास बात यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है।भारत में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय नागरिकों का स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का हाल ही में आह्वान किया था। इस आग्रह का अब भारी संख्या में भारतीय नागरिक सकारात्मक उत्तर दे रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे उपभोक्ता खर्च के चलते वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में भी लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है, जो अब लगभग 2 लाख करोड़ प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता दिखाई दे रहा है। सितम्बर 2025 के अंत में सेंसेक्स 80,267 के स्तर पर था जो 21 अक्टूबर 2025 को बढ़ कर 84,426 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार निफ्टी इंडेक्स भी सितम्बर 2025 के अंत में 24,611 के स्तर से बढ़कर 21 अक्टूबर 2025 को 25,868 के स्तर पर पहुंच गया। दीपावली के पावन पर्व पर रिकार्ड तोड़ व्यापार एवं पूंजी बाजार के अपने पिछले 52 सप्ताह के लगभग उच्चत्तम स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से तीन कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। (1) भारतीय उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास निर्मित हुआ है और वे अब भारत में निर्मित उत्पादों को चीन अथवा अन्य विकसित देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में गुणवत्ता के मामले में बेहतर मानने लगे हैं। (2) विभिन्न भारतीय कम्पनियों द्वारा सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही के घोषित परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। (3) साथ ही, अक्टूबर 2025 में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में वापसी हुई है। इस साल सितम्बर तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि की निकासी की थी, जबकि अक्टूबर में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अभी तक लगभग 7,300 करोड़ रुपए का नया निवेश किया गया है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मुद्रा स्फीति की दर लगातार नीचे आ रही है एवं यह सितम्बर में 1.54 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है जो पिछले 8 वर्षों के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर है। जबकि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर अब बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और अगस्त में यह 2.9 प्रतिशत के स्तर पर रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में लाने एवं सरकारी ऋण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न देशों से अमेरिका को होने निर्यात पर टैरिफ की घोषणा की थी। परंतु, भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाने के बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज अमेरिका में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है जबकि भारत में यह प्रतिवर्ष लगातार कम हो रहा है और इसके वित्तीय वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे पहुंच जाने की सम्भावना है, यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत का रहा था। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है और यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का 120 प्रतिशत है। अर्थात, अमेरिका में आय की तुलना में अधिक मात्रा में व्यय किए जा रहे है। आज अमेरिका में सरकारी ऋण पर ब्याज अदा करने के लिए भी ऋण लिया जा रहा है। दूसरी ओर, भारत में सरकारी ऋण की मात्रा केवल 3.80 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 80 प्रतिशत है, जो लगातार कम हो रहा है। अमेरिका में सकल बचत की दर 22 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 32 प्रतिशत है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है जबकि अमेरिका में यह वर्ष 2024 में केवल 2.8 प्रतिशत की रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर विश्व बैंक द्वारा अनुमानित है। जबकि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के अमेरिका को निर्यात टैरिफ लगाए जाने के बावजूद अमेरिका में वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के नीचे गिरकर 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। स्पष्टतः अमेरिका द्वारा टैरिफ लागू करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर तो कोई विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, अमेरिका में बेरोजगारी की दर में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो अब बढ़कर 4.3 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है, जबकि भारत में यह दर गिरकर 5.1 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। अमेरिका में बैकों से लिए गए ऋण एवं क्रेडिट कार्ड पर ली गई उधारी की किश्तों के भुगतान में चूक की संख्या में वृद्धि दृष्टिगोचर है। इसके चलते हाल ही 3 वित्तीय संस्थानों को दिवालिया घोषित किया जा चुका है।

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं। किसी कार्य को पूरा करने में पुरानी कम्पनी का अनुभव काम आएगा।

वृष राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें, जल्द ही भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक-दूसरे पर विश्वास बनाए रखें, रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी। छात्रों को थोड़ी और मेहनत की जरूरत है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा। स्टूडेंट अपने आप पर भरोसा बनाए रखें, जल्द ही सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें, इससे बना बनाया काम बिगड़ सकता है। मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं। किसी के प्रति प्रतिशोध की भावना न रखें। जैसी आपकी सोच रहेगी, वैसे ही अनुभव मिलेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक चलेंगी। काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे। आत्मविश्वास बनाए रखें। अवसर मिलने पर उसका फायदा उठाएं। काम पर ध्यान बनाए रखें। जीवनसाथी घर के कार्यों में मदद करेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा। पब्लिक प्लेस पर छवि खराब न होने दें। लवमेट के रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को बड़ा मुनाफा होगा।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। बातचीत के दौरान अपनी निजी बातें शेयर न करें। जिस काम की शुरुआत करेंगे, वह समय पर पूरा होगा। कोर्ट से संबंधित कोई मामला चल रहा है तो उसके सुलझने की पूरी उम्मीद है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी और सीनियर आपके काम से खुश रहेंगे और तारीफ करेंगे। सभी जरूरी काम आसानी से पूरे होंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।छोटी-छोटी परेशानियां जल्द दूर होंगी। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। व्यापार में मिली जिम्मेदारियों को सफलता से निभाएंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा। समाज में किये गए कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई विश पूरी होगी जिससे खुशी मिलेगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे। स्वयं को साबित करने के लिए बेहतर दिन है। परिवार में सामंजस्य से शांति का माहौल रहेगा। प्रकृति के बीच समय बिताने से फ्रेशनेस महसूस होगी।

मीन राशिः आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा। अफवाहों पर ध्यान न दें। ऑफिसियल यात्रा संभव है, जो शुभ होगी। जीवनसाथी के साथ डिनर प्लान करेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित की सेंचुरी, कोहली के रिकॉर्ड से जीता भारतः तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया, हर्षित को 4 विकेट

सीरीज 2–1 से हारे

एजेंसी, सिडनी

रोहित शर्मा की सेंचुरी और विराट कोहली की रिकॉर्ड तोड़ पारी की बदौलत भारत ने तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हरा दिया। इस हार के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मिचेल मार्श ने लगातार तीसरी बार टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 46.4 ओवर में 236 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। हर्षित राणा ने 4 विकेट लिए। जवाब में भारत ने 38.3 ओवर में एक विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। रोहित शर्मा 121 और विराट 74 रन बनाकर नाबाद रहे। रोहित ने वनडे करियर की 33वीं सेंचुरी जमाई। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। विराट कोहली पारी में 54वां रन बनाते ही वनडे इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने कुमार संगकारा (14234 रन) का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली (14255 रन) से आगे अब सिर्फ सचिन तेंदुलकर (18426 रन) हैं।

मैच का स्कोरबोर्ड

रोहित-कोहली ने रन चेज आसान बनाया- रोहित शर्मा और शुभमन गिल की जोड़ी ने भारत के रन चेज को आसान बना दिया। भारतीय ओपनर्स ने 62 बॉल पर 69 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को जोश हेजलवुड ने तोड़ा। यहां गिल 24 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान गिल के आउट होने के बाद रोहित-कोहली की जोड़ी ने भारत को जीत दिला दी।

कंगारुओं ने पावरप्ले में विकेट गंवाया- टॉस जीतकर बैटिंग कर रही ऑस्ट्रेलिया ने पावरप्ले-1 में 67 रन बनाने में एक विकेट गंवाया था। जबकि, मैच के शुरुआती ओवर्स में बॉल स्विंग हो रही थी। ऐसे में मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड ने संभलकर बल्लेबाजी की और पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़ लिए। हेड को मोहम्मद सिराज ने प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच कराया। यहां ओपनिंग पार्टनरशिप ब्रेक हुई।

पावरप्ले के बाद अक्षर पटेल ने कप्तान मिचेल मार्श (41 रन) को बोल्ड कर दिया। बाद में मैट रेनशॉ ने 56 और मैथ्यू शॉर्ट ने 30 रन बनाए। ट्रैविस हेड ने 29 और एलेक्स कैरी ने 24 रन बनाए।

कोहली का कमाल कैच, अय्यर चोटिल हुए- विराट कोहली ने 23वें ओवर में मैथ्यू शॉर्ट का शानदार कैच पड़ा। शॉर्ट ने वॉशिंगटन सुंदर की बॉल पर स्वीप किया। बॉल फरवर्ड स्क्वैयर पर खड़े विराट कोहली के पास गई। यहां कोहली के पास ज्यादा रिएक्शन टाइम नहीं था, इसके बावजूद उन्होंने कैच पकड़ा। 34वें ओवर की चौथी बॉल पर श्रेयस अय्यर विकेटकीपर एलेक्स कैरी का कैच पकड़ने के प्रयास में चोटिल हो गए। उन्हें मैदान से बाहर भी जाना पड़ा। यहां कैरी 24 रन बनाकर आउट हुए।

हर्षित राणा भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे- हर्षित राणा इस मैच में भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ऑस्ट्रेलियाई बैटर्स को पवेलियन भेजा। उन्हें पावरप्ले-1 में नई बॉल से कोई विकेट नहीं मिला। फिर कप्तान शुभमन गिल ने मिडिल ओवर और डेथ ओवर में गेंदबाजी कराई। यहां पर पर राणा ने एलेक्स कैरी, मिचेल ओवेन, कूपर कॉनोली और जोश हेजलवुड को आउट किया। उन्होंने आखिरी 2 विकेट एक ही ओवर में निकाले।

प्लेइंग-11

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल ओवेन, कूपर कॉनोली, नाथन एलिस, मिचेल स्टार्क, एडम जम्पा, जोश हेजलवुड।

हेड सबसे तेजी से 3000 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने यहां भारतीय के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। हेड ने इस मैच में जैसे ही अपना 22 वां रन बनाया। वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से एकदिवसीय में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। हेड ने इसी के साथ ही अपने ही देश के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का भी रिकार्ड तोड़ दिया। हेड भारत के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी करते आये हैं और उन्होंने कई मैचों में बदलाव किया है। हेड ने अपने 3000 रन 76वीं पारी में बनाये हैं। वहीं स्मिथ ने 79 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे। इसके अलावा माइकल बेवन और जॉर्ज बेली ने ये रन 80 पारियों में पूरे किये थे। वहीं डेविड वॉर्नर ने 81 पारियों जबकि डीन जोन्स ने 82 पारियों में 3000 रन बनाये। ट्रैविस ने इस मैच में 25 गेंदों में 29 रन बनाये और वह मोहम्मद सिराज का शिकार बने। हेड ने अपनी पारी में 6 चौके लगाये। वहीं सिराज के खिलाफ वह सहज नहीं रहे है। सिराज ने अब तक 8वीं बार हेड का विकेट लिया है। हेड का सिराज के खिलाफ दमदार प्रदर्शन रहा है हालांकि इस सीरीज में अभी तक हेड असफल रहे हैं। पहले मैच में वह 8 रन जबकि दूसरे मैच में 29 रन बनाकर आउट हैं।

एमएलएस कप में मेसी को मिला गोल्डन बूट अवार्ड, दो गोल कर इंटर मियामी को जीत भी दिलायी

एजेंसी, मियामी

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दो गोलों की सहायता से इंटर मियामी ने एमएलएस कप के पहले दौर के प्लेऑफ सीरीज के शुरुआती मैच में नैशविले एससी को 3-1 से हरा दिया। मेसी को मैच शुरू होने से पहले 28 मुकाबलों में 29 गोल करने के लिए गोल्डन बूट अवार्ड भी दिया गया। इस मैच के 19वें मिनट में मेसी ने शानदार हेडर के जरिये पहला गोल दागा। इसी के साथ मैच में इंटर मियामी एक गोली से आगे हो गयी। वहीं 62वें मिनट में इंटर मियामी की ओर से तादेओ अलेंदे ने हेडर से गोल कर अपनी टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। वहीं मेसी ने

अतिरिक्त समय में एक और गोल कर अपनी टीम को 3-0 कर दिया। अतिरिक्त समय के 11वें मिनट में हनी मुख्तार ने गोल दागकर नैशविले की ओर से एकमात्र गोल किया। इस मैच में मिली जीत से मियामी ने बेस्ट-ऑफ-थ्री सीरीज के लिए 1-0 की बढ़त बना ली है। अब दूसरा मैच 1 नवंबर को नैशविल में खेला जाएगा। मैच से पहले मेसी को गोल्डन बूट ट्रॉफी दी गयी। ट्रॉफी देने वाले एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने अमेरिकी फुटबॉल पर मेसी के प्रभाव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि कि हमने कभी सोचा भी होगा नहीं था कि मेसी इस लीग के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। उनके आने से मेजर लीग सॉकर की दिशा बदल दी है। मेसी ने लीग से तीन का का अनुबंध बढ़ाया है। जिससे भी टीम को लाभ होगा। हम पहले से ही काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। मुझे लगता है कि तीन और साल का समय मिलना।

वियना ओपन 2025: भांबरी-गोरोनसन की जोड़ी सेमीफाइनल में

एजेंसी, वियना

भारत के युकी भांबरी और क्रोएशिया के आंद्रे गोरोनसन ने वियना ओपन 2025 के पुरुष युगल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जोड़ी ने शुक्रवार को विश्व नंबर-2 मेटे पाविच और मार्सेलो अरेवालो की जोड़ी को क्वार्टरफाइनल में हराया। भांबरी-गोरोनसन की जोड़ी को वॉकओवर से जीत मिली, क्योंकि पाविच-अरेवालो की जोड़ी चोटिल होने के कारण मुकाबले से हट गई। मैच में पहले सेट में भांबरी और गोरोनसन 6-7(6) से पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-4 से जीत दर्ज की। गौरतलब है कि पाविच-अरेवालो की जोड़ी ने इसी साल फ्रेंच ओपन

2024 का खिताब जीता था, जहां उन्होंने इटली के सिमोने बोलेली और एंड्रिया वावासोरी को हराया था। इस साल की शुरुआत में भी युकी भांबरी ने दुबई एटीपी 500 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में इसी जोड़ी को हराया था, तब उनके साथी इवान डोडिग थे। भांबरी-गोरोनसन की जोड़ी अब सेमीफाइनल में ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और पुर्तगाल के फ्रांसिस्को कैब्राल की जोड़ी से आज भिड़ेगी।

एशिया कप 2025: ट्रॉफी चुराने के बाद मोहसिन नकवी ने बनाई अपनी शर्तें

एजेंसी, नई दिल्ली

एशिया कप 2025 में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को तीन बार हराकर ट्रॉफी जीतने के बाद भी विवादों से घिरी रही। भारतीय खिलाड़ियों ने नो-हैंडशेक पॉलिसी अपनाई और पाकिस्तान की टीम द्वारा सुपर-4 मैच के दौरान 'गन सेलिब्रेशन' और 'प्लेन क्रैश' जैसी ओछी हरकतों के विरोध में कड़ा रुख अपनाया। फाइनल मुकाबले में भारत ने जीत हासिल की, लेकिन एसीसी चीफ मोहसिन नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से भारत ने इनकार कर दिया। नकवी ट्रॉफी लेकर एक घंटे तक स्टेज पर खड़े रहे, लेकिन कोई भारतीय खिलाड़ी प्रेजेंटेशन सेरेमनी में शामिल नहीं हुआ। अंत

में नकवी ट्रॉफी लेकर वहां से चले गए। अब ताजा खबर है कि नकवी ने ट्रॉफी को एसीसी दफ्तर से बाहर निकालकर अबू धाबी में किसी अज्ञात जगह पर छुपा दिया है। वहीं एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, नकवी इस ट्रॉफी को खुद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और खिलाड़ियों को देने पर अड़े हैं। बीसीसीआई लगातार ई-मेल के जरिए ट्रॉफी लौटाने की चेतावनी दे रहा है, लेकिन नकवी ने हाल ही में जवाब दिया कि वह 10 नवंबर को यूएई में एक कार्यक्रम आयोजित करना चाहते हैं, जिसमें वे अपने हाथों से ट्रॉफी देने का इरादा रखते हैं। बीसीसीआई ने पहले ही इस योजना को अस्वीकार कर दिया है। मोहसिन नकवी पीसीबी चीफ और एसीसी के अध्यक्ष होने के साथ-साथ पाकिस्तान सरकार में आंतरिक मामलों के मंत्री भी हैं। माना जा रहा है कि वह भारत से अपनी खुंदक निकालने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते। भारतीय टीम की जीत और फाइनल में होने वाले विवादों के बाद नकवी की यह हरकत नई तनातनी को जन्म दे रही है। इस पूरी स्थिति ने एशिया कप 2025 के माहौल को और विवादित बना दिया है।

व्यापार

भारतीय शेयर बाजार में लगातार चौथे सप्ताह तेजी रही

सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी ने सप्ताह के दौरान 52-सप्ताह के उच्च स्तर को छू लिया

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने नए संवत वर्ष 2082 की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ की। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी ने सप्ताह के दौरान 52-सप्ताह के उच्च स्तर को छू लिया, और यह 2025 में लगातार चौथे सप्ताह की साप्ताहिक बढ़त रहा। बाजार में तेजी के पीछे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की उम्मीद, विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी और वित्त वर्ष 2026 की अच्छी कमाई रिपोर्टों ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। सप्ताह की शुरुआत दीपावली के कारण बाजार बंद रहने से सीमित रही। मंगलवार को विशेष एक घंटे के मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में सेंसेक्स 62.97 अंक बढ़कर 84,426.34 और निफ्टी 25.45 अंक बढ़कर 25,868.60 पर बंद हुआ। इस दौरान निफ्टी के 25 शेयर गिरावट में, 24 शेयर बढ़त में और 1 शेयर स्थिर रहा। बुधवार को बालीप्रतिपदा के अवसर पर बाजार फिर से बंद रहा। गुरुवार को दिवाली के बाद बाजार हरे निशान में खुला। सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 734.36 अंकों की तेजी के साथ 85,160.70 पर शुरुआत की और दिन का बंद 84,556.40 पर हुआ। निफ्टी ने शुरुआती 198.30 अंकों की बढ़त के साथ 26,066.90 पर खुला और दिन का बंद 25,891.40 पर हुआ। हालांकि, सप्ताह के अंत में

शुक्रवार को बाजार में गिरावट देखी गई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 153.18 अंक गिरकर 84,403.22 पर खुला और दिन का बंद 344.52 अंक या 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,211.88 पर हुआ। निफ्टी ने शुरुआती 51.10 अंक की गिरावट के साथ 25,840.30 पर खुला और दिन का बंद 599.25 अंक या 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,957.15 पर हुआ। सप्ताह का समग्र विश्लेषण बताता है कि बाजार ने नए संवत वर्ष की शुरुआत उत्साहजनक रूप से की। सप्ताह के दौरान तेजी के बावजूद शुक्रवार को प्रॉफिट बुकिंग के कारण थोड़ी गिरावट आई। निवेशकों में समग्र रूप से सकारात्मक माहौल बना रहा और बाजार के उच्च स्तर पर पहुंचने से निवेशकों का आत्मविश्वास मजबूत हुआ।

अडाणी समूह की कंपनियों में विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद स्वतंत्र रूप से निवेश कियाः एलआईसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बीमा कंपनी के निवेश पर सवाल उठाने वाली द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट का खंडन किया है। एलआईसी ने कहा है कि उसके सभी निवेश पूरी ईमानदारी और उचित मापदंडों के तहत किए गए हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि अडाणी समूह की कंपनियों में निवेश स्वतंत्र रूप से और विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद किया गया है। कंपनी ने कहा कि ऐसा निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार किया गया। एलआईसी ने कहा, ''केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग

या किसी अन्य निकाय की ऐसे (निवेश) निर्णयों में कोई भूमिका नहीं होती है।'' कंपनी ने कहा कि एलआईसी ने जांच-पड़ताल के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित किया है। इसके सभी निवेश निर्णय मौजूदा नीतियों, अधिनियमों के प्रावधानों और नियामक दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, इसके सभी हितधारकों के सर्वोत्तम हित में किए गए हैं। कंपनी ने कहा कि द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में छपा कथित बयान एलआईसी की सुव्यवस्थित निर्णय लेने की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने, एलआईसी की प्रतिष्ठा और भारत में वित्तीय क्षेत्र की मजबूत नींव को धूमिल करने के इरादे से दिए गए महसूस होते हैं।'' देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने वाशिंगटन पोस्ट के निवेश से जुड़े आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि एलआईसी के निवेश से जुड़े निर्णय बाहरी कारणों से प्रभावित होते हैं, ऐसे आरोप झूठे, निराधार और सच्चाई से कोसों दूर हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि भारतीय अधिकारियों ने मई में एक प्रस्ताव तैयार किया।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, लगातार छठे दिन सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में गिरावट का रुख लगातार जारी है। सोने की कीमत में आज लगातार छठे दिन गिरावट दर्ज की गई। आज के कारोबार में सोना 650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट गया है। वहीं, चांदी आज 4 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में हुई इस कमी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,24,360 रुपये से लेकर 1,24,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,13,990 रुपये से लेकर 1,14,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,54,900 रुपये

प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,24,510 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,24,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,24,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,24,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,13,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,24,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,24,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,14,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,24,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,24,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नागर विमानन मंत्रालय ने किया ई-कचरे, अनावश्यक फाइलों का निपटान

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कबाड़, ई-कचरा और अनावश्यक फाइलों के प्रमुखों के साथ एक बैठक में मंत्रालय की प्रगति की समीक्षा की। इसके बाद 13 अक्टूबर को उन्होंने मंत्रालय परिसर का भ्रमण किया, कर्मचारियों से बातचीत की और कैंटीन व पुस्तकालय जैसी सुविधाओं का जायज़ा लिया। उन्होंने कर्मचारियों को स्वच्छता को अपनी कार्य संस्कृति और दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। मंत्रालय ने कहा कि स्क्रैप, ई-कचरा और अनावश्यक फाइलों के निपटान से लगभग 31,353 वर्ग फुट कार्यालय स्थान खाली हुआ है। नागर विमानन मंत्रालय ने 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलने वाले लंबित मामलों के निपटान के लिए इस विशेष अभियान (एससीडीपीएम) 5.0 में अपनी भागीदारी में उल्लेखनीय प्रगति की सूचना दी है। मंत्रालय ने कहा कि ये अभियान सरकारी कार्यालयों में दक्षता, पारदर्शिता और स्वच्छता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

दिल्ली एयरपोर्ट के नवनिर्मित टर्मिनल-2 का नागर विमानन मंत्री ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) के पुनर्निर्मित टर्मिनल-2 (टी2) का उद्घाटन किया। यह रविवार से यात्रियों के लिए शुरू हो जाएगा। राममोहन नायडू ने इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले 6 महीने से इसके नवीनीकरण का काम चल रहा था। उन्होंने कहा कि दिल्ली आज सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण हवाई अड्डा है, जो 8 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करता है और ये देश के अंदर और बाहर 157 गंतव्यों को जोड़ता है। सेवाओं को बेहतर बनाने और भविष्य के लिए अधिक उपयोगी बनाने को लेकर लगातार विचार किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि भारत जल्द दुनिया के सबसे बड़े नागरिक विमानन तंत्र में से एक बन सकता है। इस अवसर पर नई दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि एयरपोर्ट की वार्षिक यात्री संचालन क्षमता 10 करोड़ से अधिक है। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) आईजीआईए का

संचालन करता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा चार दशक पहले निर्मित टी-2 को इस साल अप्रैल में नवीनीकरण कार्यों के लिए बंद कर दिया गया था। अब इसे आधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है। इसकी वार्षिक क्षमता लगभग 1.5 करोड़ यात्रियों को संभालने की है। आईजीआईए, जो देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा भी है, उसमें तीन टर्मिनल - टर्मिनल 1, टर्मिनल 2 और टर्मिनल 3 और चार रनवे हैं। यह प्रतिदिन 1,300 से अधिक उड़ानों का संचालन करता है।

गाथा शिव परिवार की -गणेश कार्तिकेय दिव्यता और इंसानी भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखता है:श्रेणु पारिख

सोनी सब का गाथा शिव परिवार की– गणेश कार्तिकेय दर्शकों को भगवान शिव (मोहित मलिक), माता पार्वती (श्रेणु पारिख), और उनके पुत्र भगवान गणेश (एकांश कठरोतिया) एवं भगवान कार्तिकेय (सुभान खान) की दिव्य दुनिया में एक भावनात्मक और आध्यात्मिक यात्रा पर ले जाता है।

यह शो पौराणिकता को भावनाओं से खूबसूरती से जोड़ता है, और इस अलौकिक परिवार के रिश्तों, चुनौतियों और सीखों को दर्शाता है। श्रेणु का माता पार्वती के रूप में भावपूर्ण और संतुलित अभिनय – जिसमें शक्ति, सौम्यता और मातृत्व की गरिमा है – दर्शकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। श्रेणु पारिख ने खासखबर डाट काम से बातचीत में, अपने इस किरदार की यात्रा, तैयारी और अनुभवों को साझा किया जो उन्होंने इस भूमिका को निभाते हुए महसूस किए। सवाल: आपने माता पार्वती की भूमिका निभाने के लिए हाँ क्यों कहा?

जवाब: मुझे हमेशा ऐसे किरदारों की ओर आकर्षण रहा है, जिनमें शक्ति, सौम्यता और भावनात्मक गहराई हो — और माता पार्वती में ये सब खूबियाँ पूरी तरह से हैं। जब मुझे यह भूमिका आफर हुई, तो मैं उत्साहित भी थी और जिम्मेदारी का एहसास भी था। एक ऐसे देवी स्वरूप को निभाना जो व्यापक रूप से पूजनीय है, एक दुर्लभ अवसर है, और यह मेरे लिए एक कलाकार के रूप में चुनौतीपूर्ण था। पहले तो निर्णय लेना आसान नहीं था, लेकिन जब मैंने किरदार की गहराई और शो के दृष्टिकोण को समझा, तो मुझे लगा यह मौका नहीं गंवाना चाहिए। विकास वहीं होता है जहां आप अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर आते हैं, और इस किरदार ने मुझे भावनात्मक, आध्यात्मिक और कलात्मक रूप से आगे बढ़ाया।

सवाल: गाथा शिव परिवार की – गणेश कार्तिकेय अन्य पौराणिक शोज़ से कैसे अलग है?

जवाब: अधिकतर पौराणिक शो भव्यता और दृश्य प्रभावों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन यह शो दिव्यता के साथ-साथ इंसानी भावनाओं को भी सामने लाता है। यह परिवार के भीतर प्रेम, संघर्ष और रिश्तों को उजागर करता है, जिससे दिव्य पात्र भी दर्शकों को करीब और सजीव लगते हैं। इसकी कहानी में जीवन के पाठ और भावनात्मक उतार-चढ़ाव होते हैं, जिससे लोग आसानी से जुड़ जाते हैं — यही बात इसे आज के टीवी शोज़ में अलग बनाती है।

सवाल: माता पार्वती की भूमिका के लिए आपने किस तरह की तैयारी की? क्या कोई विशेष रिसर्च या प्रशिक्षण लिया?

जवाब: यह एक गहन और अनुभवात्मक तैयारी थी। मैंने जानबूझकर पुराने विज़ुअल रेफरेंसेज़ से दूरी बनाई ताकि किरदार में ताजगी और मौलिकता लाई जा सके। इसके बजाय, मैंने शिव-शक्ति की कहानियों को गहराई से पढ़ा ताकि पारिवारिक संबंधों और पौराणिकता को समझ सकूं। हमने कई वर्कशाप्स भी कीं, जिससे किरदार की समझ और बढ़ी। विशेष रूप से वे एपिसोड जहां पार्वती को दिल टूटने, आशा और दंडपाणि के निर्माण का अनुभव होता है। ये बहुत चुनौतीपूर्ण थे क्योंकि मुझे उनकी भावनाओं को भीतर तक महसूस करना पड़ा। इन दृश्यों पर काम करना कठिन लेकिन अत्यंत संतोषजनक रहा।

सवाल: पार्वती अत्यंत शक्तिशाली और सौम्य देवी हैं। आप उनसे जीवन में कैसे जुड़ाव महसूस करती हैं?

जवाब: मुझे उनकी शांतता और धैर्य से गहरा जुड़ाव है। मैं भी जीवन में चुनौतियों का सामना संयम और करुणा के साथ करना पसंद करती हूं। सेट पर और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में भी, मैं उनके ज्ञान और प्रेम के संतुलन को अपनाने की कोशिश करती हूं। हम चाहे दिव्य परिस्थितियों में न हों, लेकिन पार्वती के पोषक, बुद्धिमान और मजबूत स्वभाव को मैं अपने जीवन में उतारने की कोशिश करती हूं।

सवाल: सेट और कास्ट्यूम्स इतने खूबसूरत हैं- क्या ये किरदार में उतरने में मदद करते हैं?

जवाब: बिलकुल। माता पार्वती के लिए मेरी लुक तैयार करने का काम शूटिंग से एक महीने पहले ही शुरू हो गया था। कई लुक टेस्ट्स हुए, और मेकअप भी बहुत हल्का रखा गया ताकि पोशाक और आभूषण की शोभा उभर सके। जब मैं कास्ट्यूम पहनती हूं और सेट की भव्यता देखती हूं, तो एकदम से उनकी ऊर्जा और आभा महसूस होती है। हर विज़ुअल एलिमेंट — आभूषण से लेकर पृष्ठभूमि तक — मुझे उनके शालीन, शक्तिशाली और संतुलित रूप को सहजता से निभाने में मदद करता है।

सवाल: पौराणिक शो में विशेष मुद्राएं, संवाद अदायगी और हाव-भाव की जरूरत होती है। आप इसकी रोज़ाना कैसे प्रैक्टिस करती हैं?

जवाब: हर दिन मैं कुछ समय मुद्राओं, हाव-भाव और संवाद अदायगी की प्रैक्टिस में देती हूं ताकि किरदार में निरंतरता बनी रहे। सेट से बाहर भी मैं पार्वती की शांति और गरिमा बनाए रखने की कोशिश करती हूं। यह सतत अभ्यास मुझे शूटिंग के दौरान उनके स्वरूप में पूरी तरह ढलने में मदद करता है।

सवाल: शूटिंग से पहले किरदार में उतरने के लिए आपका कोई विशेष रिवाज़ या तरीका है?

जवाब: मेरे लिए ध्यान और आत्मचिंतन सबसे ज़रूरी हैं। शूटिंग से पहले मैं कुछ मिनट खुद को केंद्रित करती हूं और पार्वती की भावनाओं और सोच को महसूस करने की कोशिश करती हूं। यह अभ्यास मुझे उनके भावनात्मक पहलुओं से जुड़ने में मदद करता है और मेरे प्रदर्शन को ईमानदार और दिव्य बनाता है।

सवाल: मोहित मलिक, एकांश और सुब्हान के साथ आपकी आफ-स्क्रीन केमिस्ट्री कैसी है? क्या सेट पर मस्ती भी होती है जो आनस्क्रीन नज़र आती है?

जवाब: हमारे सेट पर बहुत गर्मजोशी और मस्तीभरा माहौल रहता है। हम हँसते हैं, कहानियां साझा करते हैं और एक-दूसरे को सपोर्ट करते हैं, जिससे एक पाजिटिव एनर्जी बनी रहती है। यही दोस्ताना रिश्ता हमारी आन-स्क्रीन बान्डिंग में भी झलकता है। परिवार जैसा जो एहसास स्क्रीन पर आता है, वो हमारे असली रिश्तों से उपजा है।

सवाल: कोई ऐसा सीन या सीक्वेंस है जिसे आप दर्शकों को दिखाने के लिए सबसे ज़्यादा उत्साहित हैं?

जवाब: दंडपाणि का शिरोच्छेद वाला सीन मेरे लिए सबसे गहन अनुभवों में से एक रहा है। उस पल में पार्वती का मातृ हृदय टूटता है — उस दुख, विवशता और पीड़ा को दर्शाना बेहद भावनात्मक था। फिर भी मुझे उनकी दिव्यता और संयम को बनाए रखना था। यह एक बेहद परतदार सीन था, जिसमें उनका निस्वार्थ प्रेम और शक्ति एक साथ दिखता है। मुझे लगता है कि दर्शक इस सीन से गहराई से जुड़ेंगे और पार्वती को एक देवी और एक संवेदनशील मां दोनों रूपों में देख पाएंगे।

कामेडी से भरपूर सिंगल सलमा का ट्रेलर रिलीज, अरेंज मैरिज और प्यार के बीच फंसी हुमा

हुमा कुरैशी, श्रेयस तलपड़े और सनी सिंह की कामेडी-ड्रामा फिल्म सिंगल सलमा का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। शादी को केंद्र में रखते हुए सिंगल सलमा एक ट्रैंगल कामेडी-ड्रामा फिल्म है। ट्रेलर में भरपूर कामेडी और ड्रामा देखने को मिल रहा है। 2 मिनट 16 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत एक वाइस ओवर और लखनऊ के रूमी दरवाजा के साथ होती है। इस वाइस ओवर में कहा जाता है, हिंदुस्तान में करियर और सक्सेस चाहे जितना कमा लीजिए, असली प्रमोशन सिर्फ एक चीज में है अब शादी कर लो। इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है कुंवारी सलमा यानी हुमा कुरैशी की। फिर शुरू होता है सलमा की शादी कराने का प्रयास। एक-एक करके किरदार और कैंडिडेट आते जाते हैं। इसी दौरान ट्रेलर में कामेडी होती रहती है। इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है श्रेयस तलपड़े की, जो एक सीधे-सादे सलमा की ही उम्र के व्यक्ति बने हैं। जबकि दूसरी ओर हैं सनी सिंह, जो आजकल के जमाने के क्लब जाने वाले व्यक्ति हैं। इसके बाद सलमा, सिकंदर (श्रेयस तलपड़े) से अरेंज मैरिज करना चाहती है। लेकिन तभी उसका दिल मीत (सनी सिंह) के लिए भी धड़कने लगता है। बस यहीं से शुरु होता है सलमा की जिंदगी में कन्फ्यूजन। अब वो लखनऊ के रहने वाले सिकंदर से शादी करेगी या लंदन के रहने वाले मीत से, यह फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा। ट्रेलर में लखनऊ की झलक देखने को मिली है, जिससे पता चलता है कि फिल्म में भी लखनऊ भरपूर देखने को मिलेगा। ट्रेलर में कई जगह डबल मीनिंग जोक भी हैं। हुमा कुरैशी एक लंबे वक्त के बाद मुख्य भूमिका में वापसी कर रही हैं। नचिकेत सामंत द्वारा निर्देशित इस फिल्म को स्टार स्टूडियो के साथ मिलकर साकिब सलीम ने भी प्रोड्यूस किया है। साकिब हुमा के भाई और एक्टर हैं। यह फिल्म 31 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

कभी माचिस की डिब्बी जैसे घर में गुजारा समय, मलाइका अरोड़ा आज बना चुकी हैं अपनी अलग पहचान

शाहरुख खान के साथ छैया-छैया गाने से लोगों का दिल जीतने वालीं मलाइका अरोड़ा किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस आज भी टीवी और फिल्मों पर अपने ग्लैमरस डांस की वजह से राज कर रही हैं। उन्होंने अपना नाम और करियर बनाने के लिए बहुत मेहनत की है। छोटे से घर से लग्जरी फ्लैट्स का सफर उनके लिए आसान नहीं रहा है। मलाइका अरोड़ा का जन्म 23 अक्टूबर 1973 को मुंबई में हुआ था। उनकी मां जायस पालीकार्प मलयाली हैं और पिता पंजाबी हिंदू परिवार से आते थे, लेकिन मलाइका का झुकाव हमेशा अपनी मां की तरफ ज्यादा रहा है और उन्हें मलयाली डिश चावल, सांबर और मछली करी ज्यादा पसंद है। एक्ट्रेस हमेशा मलयाली फेस्टिवल को अपने परिवार के साथ सेलिब्रेट करती हैं, लेकिन हमेशा से मलाइका की जिंदगी इतनी लग्जरी नहीं रही। उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया था कि वो कभी इतने छोटे घर में रहती थीं कि उसकी तुलना माचिस की डिब्बी से कर सकते हैं। एक रियलिटी शो में मलाइका एक एक्ट देखकर काफी इमोशनल हो गई थीं क्योंकि एक्ट गरीबी पर बना था। मलाइका ने जिक्र किया था कि लोग मजाक में कहते हैं कि हमारा घर माचिस के डिब्बे जैसा है, लेकिन मैं बचपन में ऐसे घर में रही हूंज्हम किराए पर रहते थे और बहुत कुछ झेला था। हालांकि आज एक्ट्रेस चार रूम वाले बड़े लग्जरी घर की मालकिन है, जिसकी कीमत करोड़ों में है, जबकि अपने दूसरे अंधेरी वाले घर को वे लगभग 6 करोड़ में बेच चुकी हैं। बता दें कि मलाइका कभी भी एक्टिंग के प्रोफेशन में नहीं उतरना चाहती थी, वह हमेशा से टीचर बनना चाहती थी, लेकिन डांस में उनकी रुचि ने आज उन्हें बीटाउन की आइटम गर्ल बना दिया। उन्होंने अपने डांस को निखारने के लिए बैले, जैज़ बैले और भरतनाट्यम में ट्रेनिंग ली, और ये ट्रेनिंग उन्होंने मात्र चार साल की उम्र से शुरू कर दी थी। डांस की मेहनत के बलबूते पर मलाइका ने छैया छैया (दिल से), मुंगी बदनाम हुई (दबंग), काल धमाल (काल), आप जैसा कोई, हे बेबी, और पांडे सीटी (दबंग 2) जैसे हिट गाने दिए और अब थामा में पाइजन बेबी से एक बार फिर कहर बरपाया है। मलाइका आइटम नंबर करने के अलावा डांस रियलिटी शोज को जज करती हैं और खुद का योग फिटनेस कैंपेन भी चलाती हैं। साथ ही माडलिंग के जरिए भी इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बना चुकी हैं।

प्रशांत वर्मा की नई सुपरहीरो फिल्म अधीरा का ऐलान, कल्याण दसारी और एसजे सूर्या की होगी जोरदार टक्कर

प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर आई है। मशहूर निर्देशक प्रशांत वर्मा ने अपनी अगली सुपरहीरो फिल्म अधीरा का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में युवा अभिनेता कल्याण दसारी सुपरहीरो की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, उनका मुकाबला दमदार विलेन के रूप में एसजे सूर्या से होगा। प्रशांत ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसकी घोषणा की। इससे फैंस में उत्साह की लहर दौड़ा गई। सिनेमा प्रेमी इस नए सुपरहीरो के लिए काफी बेताब नजर आ रहे हैं। प्रशांत ने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा, जब दुनिया में अंधेरा छाता है, तब उम्मीद की एक बिजली चमकती है । अधीरा में पेश है कल्याण दसारी और एसजे सूर्या। प्रशांत वर्मा ने इस पोस्ट में कल्याण को सिनेमैटिक यूनिवर्स का नया सुपरहीरो बताया । फिल्म का निर्माण आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले रिवाज रमेश दुग्गल कर रहे हैं. इसे रवि कुमार दुग्गल प्रेजेंट करेंगे। डायरेक्शन की कमान शरण कोप्पीशेट्टी ने संभाली है। यह फिल्म पीवीसीयू की अगली कड़ी है। कल्याण की यह पहली सुपरहीरो फिल्म है। एसजे सूर्या तमिल और तेलुगु सिनेमा में अपने दमदार किरदारों के लिए मशहूर हैं। अधीरा में वह विलेन की भूमिका में होंगे। प्रशांत ने उनके किरदार को अंधेरे का प्रतीक बताया है जो सुपरहीरो अधीरा के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगा। बता दें कि फिल्म हनु-मान के साथ प्रशांत वर्मा से लोगों की उम्मीदें काफी ज्यादा हैं। उनकी इस फिल्म में तेजा सज्जा नजर आए थे। बाक्स आफिस पर यह फिल्म ब्लाकबस्टर साबित हुई थी।

अल्लारी नरेश आगामी फ़िल्म अल्कोहल टीज़र जारी,एक आशाजनक थ्रिलर ड्रामा आने वाला है!

अल्कोहल का बहुप्रतीक्षित टीज़र रिलीज़ हो गया है, और यह एक गहन और दिलचस्प सिनेमाई अनुभव का संकेत देता है। इसकी झलक से पता चलता है कि यह फिल्म एक मनोरंजक थ्रिलर-ड्रामा होगी, जो यह दर्शाएगी कि शराब नायक के जीवन को कैसे प्रभावित करती है, शराब पीने से पहले और बाद में उसका व्यवहार कैसा होता है, और इसके इर्द-गिर्द कैसे घटनाएँ घटती हैं। एक और उल्लेखनीय बदलाव के साथ, अल्लारी नरेश इस फिल्म में एक नए और स्टाइलिश अवतार में नज़र आ रहे हैं। अपने बहुमुखी अभिनय के लिए मशहूर, नरेश अल्कोहल के साथ एक बिल्कुल नए रास्ते पर चल रहे हैं, जिससे दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है। इस फिल्म का निर्देशन मेहर तेज ने किया है, जिन्होंने इससे पहले सुहास अभिनीत पारिवारिक ड्रामा से समीक्षकों और दर्शकों दोनों को प्रभावित किया था। इस बार, वे एक अवधारणा-आधारित कहानी और मज़बूत तकनीकी मूल्यों के साथ वापसी कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण सूर्यदेवरा नागा वामसी और साई सौजन्या ने किया है, जो तेलुगु सिनेमा के दो सबसे प्रतिष्ठित नाम हैं। टीज़र में क्रू की तकनीकी प्रतिभा को भी दर्शाया गया है, जिसमें संगीत घिबरन द्वारा रचित, चैतन भारद्वाज द्वारा पृष्ठभूमि स्कोर, जीजू सनी द्वारा छायांकन और निरंजन देवरामने द्वारा संपादन किया गया है। टीज़र के प्रमुख चर्चा बिंदुओं में से एक रुहानी शर्मा, निहारिका एनएम, सत्या, गिरीश कुलकर्णी, हर्षवर्द्धन, चैतन्य कृष्णा, वेंकटेश काकुमनु और किरीती जैसे प्रभावशाली कलाकार हैं। अल्लारी नरेश और सत्या का संयोजन हास्य और तीव्रता का एक अनूठा मिश्रण लाएगा, जो इस रहस्यमय और रोमांचकारी नाटक में मनोरंजन की परतें जोड़ेगा। यह फिल्म 1 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में बड़े पैमाने पर रिलीज होने वाली है, जो नए साल की छुट्टियों के लिए बिल्कुल सही समय है और दर्शकों को चार दिन का सप्ताहांत उपहार प्रदान करेगी।

DoctorSpeak: Now for a gut reset after Diwali overeating

New Delhi, Agency: As the lights of Diwali fade and the joyous celebrations give way to routine life, many are left grappling with an uninvited guest - digestive discomfort. The post-festive period often brings a wave of acidity, bloating, and sluggish digestion, symptoms that silently follow days of overeating and irregular meal patterns.

Every year, hospitals witness a noticeable rise in gastrointestinal (GI) complaints soon after the festival season. The abundance of high-fat sweets, fried snacks, caffeinated drinks and alcohol, coupled with erratic sleep and hydration patterns, places immense strain on the digestive system. What we see clinically is a sudden flare-up of gallbladder, pancreatic or acid reflux issues in patients who were otherwise stable.

Every year, hospitals witness a noticeable rise in gastrointestinal (GI) complaints soon after the festival season. The abundance of high-fat sweets, fried snacks, caffeinated drinks and alcohol, coupled with erratic sleep and hydration patterns, places immense strain on the digestive system. What we see clinically is a sudden flare-up of gallbladder, pancreatic or acid reflux issues in patients who were otherwise stable.

High caffeine intake, especially among young adults

who wish to stay alert through festivities, further dehydrates the system and triggers acidity. Alcohol, too, is a common irritant, known to inflame the stomach lining and, in susceptible individuals, the pancreas. The combination of poor dietary choices, reduced sleep, and stress makes the gut sluggish and prone to inflammation. Silent diseases become overt

Gastrointestinal ailments like gallstones, gastro-oesophageal reflux disease (GERD), gastritis, and pancreatitis often remain dormant for years. However, festive indulgence can act as a trigger, converting a silent health condition into an acute emergency.

Patients may present with symptoms such as retrosternal burning, nausea, bloating, vomiting or severe abdominal pain radiating to the back.

Even a single episode of binge eating or excessive alcohol intake can precipitate gallstone attacks or acute pancreatitis in predisposed individuals. Those suffering from Irritable Bowel Syndrome should be extra cautious. Ignoring persistent digestive symptoms and resorting to over-the-counter medication can delay timely treatment and worsen the outcome.

Irritable Bowel Syndrome

During festive or wedding periods, when our dietary regime gets disturbed due to binge eating, of processed food and high caloric fast food, it alters the neuro-intestinal axis which may cause many abdominal symptoms like bloating, constipation, diarrhoea and cramps and pain in abdomen. Besides conventional medical treatment for dyspeptic symptoms and abdominal pain, the patient should be thoroughly investigated to rule out the possibility of co-existing dormant surgical diseases which may warrant operative intervention.

Timely medical attention

When digestive symptoms persist beyond a few days, medical consultation is crucial. The expert can recommend ultrasound, endoscopy or CT scan to identify the root cause. In complex cases, surgeries may be required. Modern techniques like laparoscopic GI surgeries can offer minimally invasive solutions, ensuring smaller incisions, minimal pain, quicker discharge, and faster return to normal activities.

With the arrival of the Chhath festival the atmosphere has become Chhath *like, with liveliness in the markets and excitement in the homes*

Patna, Agency: With the commencement of Chhath, the great festival of folk faith, there is an atmosphere of joy among the NRIs living in the state as well as in the country and abroad. Songs of Chhath Maiya are being heard in every village and city. This festival of faith, cleanliness and restraint is creating a devotional atmosphere everywhere.

This four-day grand festival begins today on October 25 with Nahay-Khaye. On this day, devotees bathe in the morning, clean their homes and eat satvik food. Traditionally, the fast begins with the prasad of pumpkin rice and gram dal. With this, the preparations for Chhath begin.

Kharna ritual will be held on October 26. On this day, devotees observe a waterless fast throughout the day, and after sunset, they consume kheer made from jaggery and milk, along with roti (bread). Kharna marks the beginning of a rigorous 36-hour fast, during which devotees fast continuously without consuming water.

Following this, the evening Arghya (sunday offering) will be held on October 27th. Devotees, along with their families, will arrive at the ghats to offer arghya to the setting sun. Folk songs, the beats of dholaks, and the light of lamps will fill the atmosphere with faith and harmony.

Agra accident: 5 killed, 2 injured as speeding car hits pedestrians in Nagla Budhi; driver detained

New Delhi, Agency: At least five people were killed and two others injured after a speeding car ran over pedestrians near Agra's Nagla Budhi, close to the Central Hindi Institute, police said on Saturday.

The deceased have been identified as Babli (33), Bhanu Pratap (25), Kamal (23), Krishna (20) and Bantesh (21). Bhanu Pratap worked as a parcel delivery agent for a private company.

The five critically injured victims were rushed to

Sarojini Naidu Medical College on Friday night, where doctors declared them dead, said Assistant Commissioner of Police Shesh Mani Upadhyay.

Eyewitnesses said the car was travelling at high speed, hit a road divider, and then veered off, crushing people standing nearby. Seven pedestrians were struck in total. Rahul and Golu survived and are undergoing treatment.

The driver of the car has been arrested and the vehicle seized. Police are investigating whether the driver was under the influence of alcohol or driving recklessly.

Bareilly outrage: Cop caught on kicking bikes abusing locals during festive rush; suspended

BAREILLY, Agency: A Sub-Inspector, Narendra Raghav, deployed at Bhamaura police station in Bareilly was suspended after a purported video of him surfaced showing him kicking parked motorcycles and threatening people in Bareilly's Devchara market during the recent festive season.

The video, which was widely circulated on Wednesday, shows the cop in uniform vandalising bikes and abusing locals. Witnesses alleged that Raghav also threatened to jail those who protested his behaviour. Taking immediate cognizance, SSP Anurag Arya suspended the officer and ordered a departmental inquiry. CO Amla Nitin Kumar, who led the probe, confirmed the allegations and said that the act had "tarnished the image of the police department."

The incident took place when the Devchara market was packed with festival shoppers. Local traders expressed anger, saying police are meant to ensure order during festive crowds, not intimidate citizens. Now, people are fearing to visit our shops. CO added further disciplinary action is underway, adding that "misuse of uniform power will not be tolerated.

Faridabad horror: Man rapes 14-year-old daughter for several days after wife leaves him; arrested

GURGAON, Agency: Faridabad police have arrested a 42-year-old man, an autorickshaw driver for allegedly raping his 14-year-old daughter over several days, officials said on Friday.

The victim, a Class 7 student, had been living with her father after her mother left the family, reportedly because of his alcohol addiction.

Police said the suspect allegedly targeted his eldest daughter after returning home intoxicated almost every night.

In pain and distressed, she alerted an elderly neighbour, who then took her to a doctor.

The doctor revealed her medical condition and the crime she had endured. The elderly neighbour asked the victim what had happened and she revealed her ordeal.

The police were then informed.

An FIR has been registered under the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act for aggravated penetrative sexual assault and sexual harassment in Bhupani police station.

The accused was sent to judicial custody. Police said the investigation is ongoing.

18,000 benefit from GCC medical camps

Chennai, Agency: With the onset of the north-east monsoon, Greater Chennai Corporation has set up medical camps across the city to monitor and prevent waterborne diseases.

"Overall there were 1,000 cases of fever reported in the city in the past two months," city health officer Dr M Jagadeesan told MEDIA.

"There has been no significant surge in infections such as dengue or water-borne ailments," he added.

Between Oct 17 and 24, a total of 447 medical camps were conducted, including mobile units across the city.

As many as 17,960 people, including nearly 5,500 on Friday, availed themselves of medical check-ups in these camps, which were held in many low-lying areas.

"The aim is to stop spread of communicable diseases," Dr Jagadeesan said.

Maharashtra suicide case: Doctor 'raped' by cop also accused MP of harassment; alleged police ignored June complaint

Satara,Agency: A new twist has emerged in the alleged suicide of a 28-year-old doctor in Satara, Maharashtra, with reports that a MP had previously accused her over the phone of refusing to issue a fitness certificate to an arrested person, according to news agency PTI.

According to PTI, the certificate would have enabled police to take the individual into custody and the doctor was reportedly targeted because she hailed from Beed district.

The doctor, posted at the Phaltan subdistrict hospital, was found hanging in a hotel room on Thursday evening.

She had reportedly checked into the hotel near the hospital late Wednesday night, as her rented residence was far away. Hotel staff found her body after she did not respond to knocks on her door.

A Note On Palm

In a note written on her palm, she accused sub-inspector Gopal Badane of repeated sexual assault and software engineer Prashant Bankar, the son of her landlord, of mental harassment. A case of abetment of suicide has been registered against both.

According to a statement she allegedly submitted to an internal inquiry committee, the doctor faced ongoing intimidation and harassment from police officials.

She claimed she was pressured to alter post-mortem and medical reports and was taunted over crimes reported in her home district of Beed.

One incident reportedly involved police trying to force her to declare a high-blood-pressure patient fit for custody, taking the woman away without treatment. Despite submitting a written complaint to the Deputy Superintendent of Police in June, no action was reportedly taken.

Satara police said the doctor and Bankar had been in a relationship for five months, which later turned sour. Police also said her interactions with the sub-inspector were linked to her hospital duties, as she often handled medical examinations for suspects in custody. The sub-inspector is currently absconding. "We have suspended him and formed a special team to trace and arrest him and the other suspect," said Inspector General Sunil Phulari. Political leaders have demanded a swift and independent probe. NCP leader Dhananjay Munde called for a special investigation team (SIT) and a fast-track trial, saying that ignoring her complaints due to her Beed origin would be a grave injustice. Shiv Sena (UBT) leader Ambadas Danve also demanded that officials from outside Satara conduct the inquiry, calling the suicide "a case where protectors turned predators." The doctor's relatives said she had repeatedly complained about police harassment and pressure to alter reports. Activist Nitin Andhale shared her purported statement online, highlighting the extent of alleged inaction and intimidation that may have contributed to her death. Satara superintendent of police Tushar Doshi confirmed that the doctor's complaints and evidence such as WhatsApp messages formed the basis for filing FIRs under sections 64 (rape) and 108 (abetment of suicide) of the Bharatiya Nyaya Sanhita.